RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 82 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 15-10-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मणिपुर की कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार हुआ : बीरेन सिंह

6 महिलाओं को भी हृदय रोगों से सावचेत रहने की जरूरत

7 टाटा ट्रस्ट ने चंद्रशेखरन को टाटा संस के चेयरमैन का तीसरा कार्यकाल देने की अनुशंसा की

फर्स्ट टेक

भारतीय वायुसेना नौ नवंबर को गुवाहाटी में 'एयर शो' आयोजित करेगी

गुवाहाटी/भाषा। भारतीय वायु सेना नौ नवंबर को गुवाहाटी में एक 'एयर शो' का आयोजन करेगी, जिसमें लड़ाकू और परिवहन विमानों की 'रेंज' प्रदर्शित की जाएगी। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने एक बयान में कहा कि यह कार्यक्रम भारतीय वायुसेना की सटीकता, व्यावसायिकता और कौशल का प्रदर्शन करेगा तथा नागरिकों को देश की हवाई ताकत को देखने का दुर्लभ अवसर प्रदान करेगा।

15-10-2025	16-10-2025
सूर्यास्त 6:00 बजे	सूर्योदय 6:10 बजे

BSE	NSE
82,029.98	25,145.50
(-297.07)	(-81.85)

सोना	चांदी
12,783 रु.	167,199 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

आतंकवादियों के लिए कोई जगह सुरक्षित नहीं : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मानेसर (हरियाणा)भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में आतंकवादी समूहों के मुख्यालयों, प्रशिक्षण केंद्रों और लॉन्च पैड्स' को तबाह कर दिया गया तथा अब आतंकवादियों के लिए कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं है।

आतंकवाद-रोधी 'ब्लैक कैट' कमांडो बल राष्ट्रीय सुरक्षा गारद (एनएसजी) के 41वें स्थापना दिवस पर यहां उसके मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी कहा कि भारतीय सुरक्षा बल जमीन के अंदर घुसकर हर आतंकवादी कृत्य की सजा देने के लिए कृतसंकल्प हैं। उन्होंने

कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान में आतंकवादी मुख्यालयों, उनके प्रशिक्षण केंद्रों और लॉन्च पैड्स को नष्ट किया है...ऑपरेशन महादेव में हमारे सुरक्षा बलों ने पहलगाम में आतंकी हमला करने वाले आतंकवादियों का सफाया करने के लिए सटीक कार्रवाई की। इससे नागरिकों का सुरक्षा बलों पर विश्वास और भी मजबूत हुआ है।''

भारतीय रक्षा बलों ने 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत मई में पाकिस्तान एवं इसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी बुनियादी ढांचे और रक्षा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया था। पहलगाम हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त न करने की 'नीति' अपनाई है।

शाह ने कहा कि अगर कोई अनुच्छेद 370 (जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले) के अधिकतर प्रावधानों को खत्म करने से लेकर सर्जिकल स्ट्राइक, हवाई हमले और ऑपरेशन सिंदूर तक आतंकवादियों के खिलाफ सरकार के अभियान का ध्यानपूर्वक विश्लेषण करे तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों और आतंकी समूहों की जड़ों पर प्रहार किया है। उन्होंने कहा, ''आतंकवादी चाहे कहीं भी छिपे हों, हमारे सुरक्षा बलों ने साबित कर दिया है कि अब आतंकवादियों के लिए कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है। हमारे सैनिक धरती की गहराइयों में जाकर हर आतंकवादी कृत्य का दंड देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।''

कुछ देश खुलेआम वैश्विक नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि कुछ देश अंतरराष्ट्रीय नियमों का ''खुलेआम उल्लंघन कर रहे हैं'' जबकि कई अन्य देश अपने खुद के मानदंड बनाना चाहते हैं और अगली सदी में वर्चस्व स्थापित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत ''पुरानी पड़ चुकी'' अंतरराष्ट्रीय संरचनाओं में सुधार की वकालत करते हुए अंतरराष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था को कायम रखने में मजबूती से खड़ा है।

रक्षा मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों के लिए सैनिक भेजने वाले देशों के सैन्य प्रमुखों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन देशों का नाम नहीं लिया जो वैश्विक मानदंडों का उल्लंघन कर रहे हैं या अपने नए मानदंड बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

उनकी यह टिप्पणी कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चीन के बढ़ते

आक्रामक व्यवहार को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं की पृष्ठभूमि में आई है। उन्होंने कहा, ''आजकल कुछ देश खुलेआम अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, कुछ इसे कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि कुछ अपने स्वयं के नियम बनाना चाहते हैं और अगली सदी पर हावी होना चाहते हैं।''

सिंह ने कहा, ''इन सबके बीच, भारत पुरानी पड़ चुकी अंतरराष्ट्रीय संरचनाओं में सुधार की वकालत करते हुए, अंतरराष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था को मज़बूती से कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत महात्मा गांधी की भूमि है, जहां शांति हमारे अहिंसा और सत्य के दर्शन में गहराई से समाहित है।'' उन्होंने कहा, ''महात्मा गांधी के लिए शांति का मतलब केवल युद्ध का अभाव नहीं था, बल्कि न्याय, सद्भाव और नैतिक शक्ति की सकारात्मक स्थिति थी।''

रक्षा मंत्री ने उभरती चुनौतियों से निपटने और वैश्विक शांति सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में योगदान देने वाले देशों के लिए 4सी फॉर्मूला भी प्रस्तावित किया।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दोगलों से सावधान

गद्दार छुपें हों आस-पास,
हो जाएं थोड़े आशंकी।
चाहे हो कितने ही ज़हीन,
हो सकते हैं वे आतंकी।
बन करके वे सबके अज़ीज,
कर सकते हैं कुछ नौटंकी।
चाहे हो धर्म ध्यान वाले,
हो सकते वे रावण लंकी।।

मंगोलिया के विकास में 'भारत दृढ़' साझेदार : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगोलियाई राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना के साथ व्यापक वार्ता के बाद मंगलवार को कहा कि भारत मंगोलिया के विकास में एक दृढ़ और विश्वसनीय साझेदार रहा है। उखना सोमवार को भारत की चार दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। राष्ट्रपति के रूप में यह उनकी

पहली भारत यात्रा है। मंगोलिया के राष्ट्रपति के साथ बातचीत के बाद मोदी ने कहा कि भारत मंगोलिया के लोगों को मुफ्त ई-वीजा उपलब्ध कराएगा।

मोदी ने कहा, भारत और मंगोलिया के बीच संबंध सिर्फ कूटनीतिक नहीं हैं। इसमें आध्यात्मिक जुड़ाव भी है। उन्होंने कहा, सदियों से दोनों देश बौद्ध धर्म के सिद्धांतों से बंधे हुए हैं, यही कारण है कि हमें आध्यात्मिक सहोदर भी कहा जाता है। मोदी ने कहा कि मंगोलिया की विकास गाथा में भारत एक दृढ़ और विश्वसनीय साझेदार रहा है। उन्होंने कहा, भारत की 1.7 अरब अमेरिकी डॉलर की ऋण सहायता से निर्मित की जा रही तेल रिफाइनरी परियोजना मंगोलिया की ऊर्जा सुरक्षा को नई मजबूती प्रदान करेगी।

लोक गायिका मैथिली ठाकुर भाजपा में शामिल

पटना। प्रसिद्ध लोक गायिका मैथिली ठाकुर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गईं पटना में भाजपा मीडिया सेंटर में आयोजित मिलन समारोह में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने उन्हें सदस्यता ग्रहण कराई। इस अवसर पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायक भरत बिंद भी भाजपा में शामिल हुए। जायसवाल ने कहा कि आने वाले दिनों में विपक्षी महागठबंधन के कई अन्य नेता भी भाजपा में शामिल होंगे। मिथिला क्षेत्र की लोकप्रिय गायिका मैथिली ठाकुर के सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में प्रशंसक हैं। क्षेत्र में उनकी प्रसिद्धि को देखते हुए पार्टी उन्हें प्रचार अभियान का चेहरा भी बना सकती है। हाल में ठाकुर की तस्वीर भाजपा के चुनाव प्रभारी विनोद तावड़े और केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय के साथ सामने आई थी।

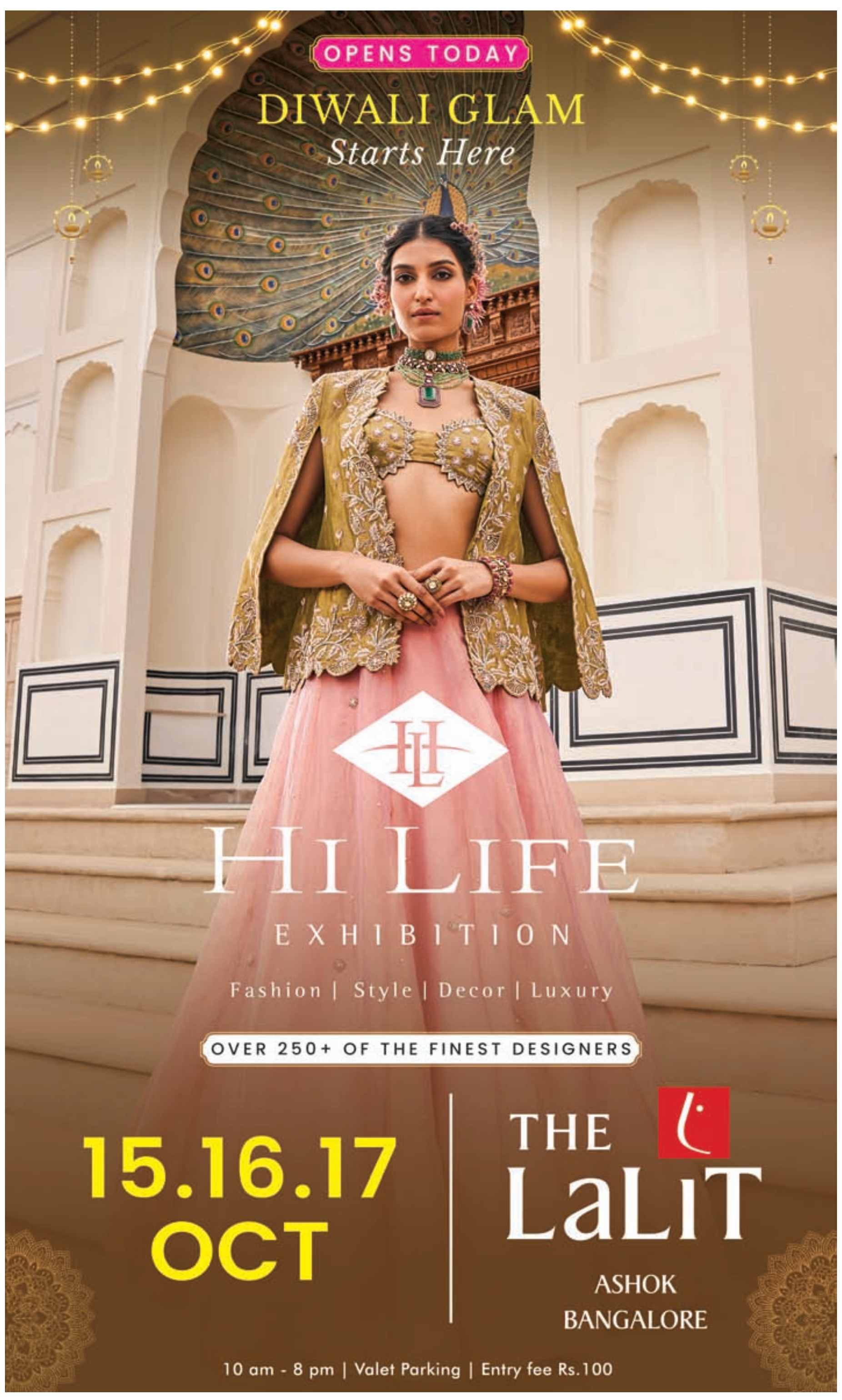

बिहार विस चुनाव :

भाजपा की 71 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी

दो उपमुख्यमंत्रियों, छह मंत्रियों के नाम

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने मंगलवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 71 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की, जिसमें उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा को क्रमश: तारापुर तथा लखीसराय सीटों से और छह राज्य मंत्रियों को मैदान में उतारा गया है। सूची में नौ महिला उम्मीदवार भी शामिल हैं। इनमें मौजूदा मंत्री रेणु देवी का भी नाम है, जो बेतिया विधानसभा क्षेत्र से फिर से चुनाव लड़ेंगी। वर्तमान विधायक एवं अर्जुन पुरस्कार विजेता श्रेयसी सिंह एक और कार्यकाल के लिए जमुई सीट से चुनाव लड़ेंगी। मौजूदा मंत्री मंगल पांडे सीवान से, नितिन नबीन बांकीपुर से, नीतीश मिश्रा झंझारपुर से, कृष्ण कुमार मंटू अमनौर से और प्रेम कुमार गया टाउन से चुनाव लड़ेंगे। पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद कटिहार सीट से, संजय सरोगी दरभंगा से, कुंदन कुमार बेगूसराय से, रोहित पांडे भागलपुर से, कुमार प्रणय मुंगेर से और रामकृपाल यादव दानापुर से चुनाव लड़ेंगे। बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को होगा। मतों की गिनती 14 नवंबर को होगी।

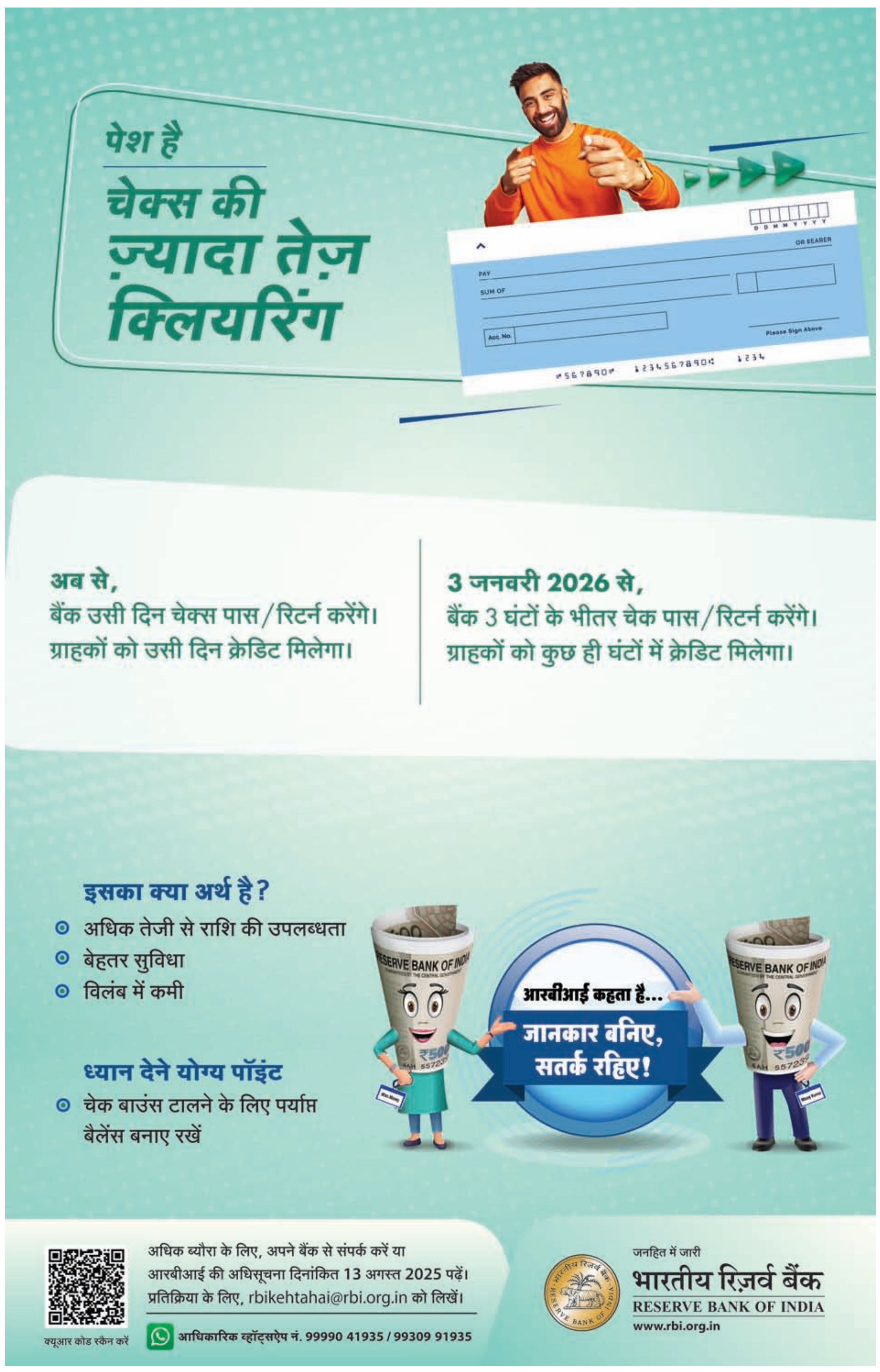

नकली होने के संदेह में मावा, घी और मिठाइयों की 3,000 किलोग्राम वजनी खेप जब्त

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। दीपावली के त्योहार से पहले, प्रशासन ने इंदौर में मंगलवार को यात्री बसों से मावा (खोया), घी और मिठाइयों की करीब 3,000 किलोग्राम वजनी खेप जब्त की और इन खाद्य पदार्थों के नकली होने का संदेह है। खाद्य विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अवशेष अग्रवाल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मुखबिर की सूचना पर पिपलियाहाना चौराहे के पास निजी ट्रैवल्स की अलग-अलग बसों से मावा, घी और मिठाइयों की करीब 3,000 किलोग्राम वजनी खेप जब्त की गई जिसका बाजार मूल्य आठ से 10 लाख रुपये के बीच आंका जा रहा है।

उन्होंने बताया कि ये बसें ग्वालियर और अहमदाबाद से इंदौर आई थीं। अग्रवाल ने बताया,हमें संदेह है कि खाद्य पदार्थों की जब्त खेप नकली है। इनके नमूनों को प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। अगर जांच में संदेह की पुष्टि होती है, तो संबद्ध कानूनी प्रावधानों के तहत कदम उठाए जाएंगे।

गूगल एआई केंद्र के लिए करेगी 15 अरब डॉलर का निवेश, अदाणी समूह के साथ मिलकर बनाएगी डेटा केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका की कंपनी गूगल अगले पांच वर्ष में विशाखापत्तनम में एक कृत्रिम मेधा (एआई) केंद्र स्थापित करने के लिए 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी। इसमें अदाणी समूह के साथ साझेदारी में देश का सबसे बड़ा डेटा सेंटर भी शामिल होगा। सरकारी बयान के अनुसार, इस परियोजना से आंध्र प्रदेश में 5,000-6,000 प्रत्यक्ष नौकरियां और कुल 20,000-30,000 नौकरियां उत्पन्न होने की उम्मीद है।

प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी ने कहा कि आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में यह एआई केंद्र अमेरिका के बाहर गूगल का सबसे बड़ा केंद्र होगा। इसमें एक गीगावाट का डाटा सेंटर परिसर, नए बड़े पैमाने के ऊर्जा स्रोत एवं विस्तारित फाइबर-ऑप्टिक नेटवर्क शामिल होगा। कंपनी के एक कार्यक्रम में गूगल क्लाउड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) थॉमस कुरियन ने कहा, यह अमेरिका के बाहर सबसे बड़ा एआई केंद्र होगा जिसमें हम निवेश करने जा रहे हैं। कार्यक्रम में औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह घोषणा नई दिल्ली में गूगल द्वारा आयोजित कार्यक्रम भारत 'एआई शक्ति' के दौरान की गई। यह कार्यक्रम भारत-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से पहले आयोजित किया गया। कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। गूगल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर लिखा, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात करके बहुत अच्छा लगा, हमने विशाखापत्तनम में पहले गूगल एआई केंद्र के लिए अपनी योजनाओं को साझा किया जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। पिचाई ने लिखा,

यह केंद्र गीगावाट स्तरीय कंप्यूटिंग क्षमता, एक नया अंतरराष्ट्रीय सब-सी गेटवे और विशाल ऊर्जा अवसंरचना को एक साथ लाता है। इसके माध्यम से हम अपनी उद्योग-अग्रणी प्रौद्योगिकी को भारत के उद्यमों एवं उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाएंगे जिससे एआई नवोन्मेषण में तेजी आएगी और देश भर में विकास को गति मिलेगी।

इसके अलावा अरबपति गौतम अदाणी के समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज ने कहा कि उसकी संयुक्त उद्यम कंपनी अडानीकॉनेक्स और गूगल, विशाखापत्तनम में भारत का सबसे बड़ा एआई डेटा सेंटर परिसर और नई हरित ऊर्जा अवसंरचना विकसित करेंगे। गौतम अदाणी ने सोशल मीडिया पर लिखा, अदाणी (समूह) को विशाखापत्तनम में भारत के सबसे बड़े एआई डेटा सेंटर परिसर के निर्माण के लिए गूगल के साथ साझेदारी करने पर गर्व है। इसे विशेष रूप से कृत्रिम मेधा से जुड़ी जरूरतों के अनुरूप तैयार किया गया है।''

गूगल ने विशाखापत्तनम में उद्देश्य-निर्मित, गीगावाट स्तरीय डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए भारती एयरटेल के साथ भी साझेदारी की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह सुविधा भारत में जटिल एआई कार्यों को अंजाम दे सके। इस परियोजना के एक हिस्से के रूप में एयरटेल विशाखापत्तनम में एक अत्याधुनिक केबल लैंडिंग स्टेशन (सीएलएस) स्थापित करेगी, जहां गूगल के नए अंतरराष्ट्रीय सब-सी केबल बिछाए जाएंगे। दूरसंचार सेवा प्रदाता परियोजना के एक हिस्से के रूप में लचीलापन एवं क्षमता बढ़ाने के लिए परियोजना के एक भाग के रूप में एक सुदृढ़, उच्च क्षमता, कम विलंबता वाला शहर के भीतर तथा शहर के बीच 'फाइबर नेटवर्क' बनाएगी तथा उसका प्रबंधन करेगी। विशाखापत्तनम में गूगल का एआई केंद्र पांच वर्ष (2026-2030) में करीब 15 अरब अमेरिकी डॉलर का बहुआयामी निवेश है, जिसमें गीगावाट स्तरीय डेटा सेंटर संचालन शामिल है जो एक मजबूत सब-सी केबल नेटवर्क और स्वच्छ ऊर्जा द्वारा समर्थित है। इसका मकसद भारत में सबसे जटिल एआई कार्यों को अंजाम देना है। कंपनी ने बयान में कहा, ''इसे अडानीकॉनेक्स और एयरटेल सहित परिवेश भागीदारों के साथ घनिष्ठ सहयोग से क्रियान्वित किया जाएगा।'' डेटा सेंटर में कितना निवेश किया जाएगा हालांकि इसकी यहां कोई जानकारी नहीं दी गई। कंपनी ने कहा कि इस परियोजना के तहत आंध्र प्रदेश में नई पारेषण लाइन, स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन और नवीन ऊर्जा भंडारण प्रणालियों में संयुक्त निवेश किया जाएगा।

मणिपुर में 50 वर्ष बाद एनएससीएन (आईएम) सुप्रीमो मुइवा के प्रस्तावित दौरे की तैयारियां

उखरुल/इंफाल/चुराचांदपुर/भाषा। नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (एनएससीएन)- इसाक मुइवा सुप्रीमो टी. मुइवा 50 वर्ष में पहली बार मणिपुर के उखरुल जिले में अपने जन्मस्थान का दौरा करने वाले हैं जिसकी तैयारियां चल रही हैं। मुइवा (91) के 22 अक्टूबर को तांगखुल नगा बहुल उखरुल में उनके पैतृक गांव सोमदल का दौरा करने की उम्मीद है। गांव के प्राधिकारी, तांगखुल नगा छात्र संगठन, नागरिक समाज संगठन के साथ ही गिरजाघर मुइवा के स्वागत के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। मुइवा अभी नगालैंड के दीमापुर में रहते हैं। उखरुल जिले के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा' को बताया, स्थानीय लोगों ने नगा नेता के स्वागत में गांव में पोस्टर लगाए हैं। दीमापुर रवाना होने से पहले उनके वहां एक सप्ताह तक ठहरने की संभावना है। नगा लोग उत्साहित हैं और उनकी ऐतिहासिक घर वापसी का इंतजार कर रहे हैं। मुइवा ने 2010 में अपने पैतृक गांव जाने का प्रयास किया था। हालांकि, मणिपुर में ओकराम इबोबी सिंह के नेतृत्व वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने उन्हें राज्य में प्रवेश करने से रोक दिया था, जिसके कारण नगाओं ने विरोध प्रदर्शन किया था। मुइवा को राज्य में प्रवेश करने से रोकने के लिए मणिपुर-नगालैंड अंतर-राज्यीय सीमा पर पुलिस बल तैनात किए गए थे। वर्ष 1934 में जन्मे मुइवा का नाम समकालीन नगा राजनीतिक आंदोलन का पर्याय है और वह सबसे प्रभावशाली नगा नेताओं में से एक हैं। वह एक तंगखुल नागा हैं। मणिपुर में कुकी, जोमी और मेइती समुदायों के कई संगठनों ने मुइवा के प्रस्तावित दौरे का स्वागत किया है।

कटक में चमगादड़ों का शिकार करने के आरोप में 11 व्यक्ति गिरफ्तार

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के कटक जिले में चमगादड़ों का शिकार करने के आरोप में 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर वन विभाग ने सोमवार को खुंटुनी के निकट एक ऑटोरिक्शा को रोका और उसमें से दो थैलों में रखे 796 मृत चमगादड़ और चार जीवित चमगादड़ बरामद किए।

उन्होंने बताया कि वाहन पर सवार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अथगढ़ के कार्यवाहक प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) चिचिलिची बिस्वाल ने कहा, सभी आरोपी भुवनेश्वर के रहने वाले हैं। हमने उन्हें वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया है।उन्होंने बताया कि चमगादड़ों को जाल का उपयोग करके खुंटुनी में एक बंद पड़ी फैक्ट्री और कुछ पेड़ों से पकड़ा गया।

पूर्व निगम आयुक्त ने रिश्वत की राशि से खरीदीं महंगी साड़ियां, आवासीय परियोजना में किया निवेश : ईडी

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को आरोप लगाया कि आईएएस अधिकारी अनिल पवार ने रिश्वत से 169 करोड़ रुपये की अपराध की आय' अर्जित की और इस राशि का उपयोग सोना, हीरा और महंगी' साड़ियां खरीदने के अलावा अपनी पत्नी के नाम पर एक आवासीय परियोजना में निवेश करने में किया। वसई विरार सिटी नगर निगम (वीवीसीएमसी) के पूर्व आयुक्त पवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जुलाई में तीन अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी मुंबई के पास वीवीसीएमसी के अधिकार क्षेत्र में सरकारी और निजी भूमि पर 2009 से अवैध रूप से आवासीय और व्यावसायिक इमारतों के निर्माण के आरोपों की धनशोधन जांच के तहत की गई थी। सभी चार आरोपी वर्तमान में न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं।

एजेंसी ने एक बयान में कहा कि संघीय जांच एजेंसी ने उनके खिलाफ मुंबई में एक विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत में आरोपपत्र दायर किया है और अदालत ने अब तक इस पर संज्ञान नहीं लिया है। ईडी ने आरोप लगाया कि पवार ने पहले से बनी अवैध इमारतों को संरक्षण देने के लिए रिश्वत लेने हेतु एक गिरोह बनाया और चल रहे अनधिकृत निर्माणों पर आँखें मूंद लीं। ईडी ने दावा किया, ''यह गिरोह वीवीसीएमसी के अधिकार क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण के लिए जिम्मेदार है।'' साथ ही ईडी ने कहा कि जांच में पाया गया कि अवैध निर्माण परियोजनाओं पर 150 रुपये प्रति वर्ग फुट की निश्चित' कमीशन दर लागू की गई थी, जिसमें से निर्मित क्षेत्र के लिए 50 रुपये प्रति वर्ग फुट की दर से पवार को 'सीधे' हिस्सा मिलता था।

महाराष्ट्र में विपक्षी नेता मुख्य चुनाव आयुक्त से मिले, चुनावी 'अनियमितताओं' का मुद्दा उठाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार, शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) नेता राज ठाकरे सहित विपक्षी नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात कर मतदाता सूची समेत चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाया। उद्धव और राज ठाकरे को एक साथ आते देखा गया। ऐसी चर्चा है कि वे राज्य में आगामी स्थानीय निकाय

चुनावों के लिए हाथ मिला सकते हैं, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि मनसे प्रमुख राज ठाकरे बड़े विपक्षी गठबंधन का हिस्सा होंगे या नहीं।

उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने चुटकी लेते हुए कहा कि विपक्षी गुट महा विकास अघाडी नहीं, बल्कि ''महा कन्फ्यूज्ड अघाडी'' है। विपक्षी प्रतिनिधिमंडल ने मंत्रालय (राज्य सचिवालय) में मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एस. चोकलिंगम से मुलाकात की तथा स्थानीय निकाय चुनावों से पहले मतदाता सूची में विसंगतियों को दूर करने की मांग की। विपक्षी प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस, वामपंथी दल, शेतकरी कामगार पक्ष और समाजवादी पार्टी शामिल हैं। उन्होंने महाराष्ट्र में वर्ष के अंत में या अगले वर्ष की शुरुआत में प्रस्तावित स्थानीय निकाय चुनावों में वीवीपीएटी (वोटर वेरिफाएबल पेपर ऑडिट ट्रेल) के उपयोग की भी मांग की। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ और शिवसेना (उबाठा) नेता अंबादास दानवे व (लोकसभा सांसद) अरविंद सावंत सहित एक अन्य प्रतिनिधिमंडल ने इसी तरह की मांगों के साथ राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे से मुलाकात की।

वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण के लिए समय बढ़ाने की मांग वाली याचिकाओं पर 28 को सुनवाई

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी की उस याचिका पर सुनवाई 28 अक्टूबर के लिए सूचीबद्ध की है जिसमें 'वक्फ बाय यूजर' सहित सभी वक्फ संपत्तियों के 'उम्मीद' पोर्टल में अनिवार्य पंजीकरण के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध किया गया है। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ से वकील निजाम पाशा ने आग्रह किया कि याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने की आवश्यकता है क्योंकि छह महीने की अनिवार्य समय अवधि समाप्त होने वाली है।मंगलवार को एक और ऐसी ही याचिका पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया गया। पीठ ने कहा कि वह नई याचिका को भी सूचीबद्ध करने पर विचार करेगी। न्यायालय ने 15 अक्टूबर को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कुछ प्रमुख प्रावधानों पर रोक लगा दी, जिसमें एक खंड यह भी शामिल है कि केवल पिछले पांच वर्षों से इस्लाम का पालन करने वाले लोग ही वक्फ बना सकते हैं लेकिन इसके पक्ष में संवैधानिकता की धारणा को रेखांकित करते हुए पूरे कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

न्यायालय ने केंद्र सरकार को राहत देते हुए कहा था कि नये संशोधित वक्फ कानून में वक्फ बाय यूजर'' प्रावधान को हटाना प्रथम दृष्टया मनमाना नहीं था और सरकार द्वारा वक्फ की जमीनें हड़प लेने संबंधी दलीलें 'अमान्य' हैं। 'वक्फ बाय यूजर' से आशय ऐसी संपत्ति से है, जहां किसी संपत्ति को औपचारिक दस्तावेज के बिना भी धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए उसके दीर्घकालिक उपयोग के आधार पर वक्फ के रूप में मान्यता दी जाती है, भले ही मालिक द्वारा वक्फ की औपचारिक, लिखित घोषणा न की गई हो। यह प्रावधान नये कानून को चुनौती देने में विवाद का मुख्य कारण बन गया।

फडणवीस ने भारत समुद्री सप्ताह के लिए मुंबई में स्थायी केंद्र बनाने की मांग की

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने मंगलवार को केंद्र सरकार से भारत समुद्री सप्ताह के लिए मुंबई में एक स्थायी केंद्र स्थापित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे

इस क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा और महाराष्ट्र समुद्री गतिविधियों के लिए एक वैश्विक केंद्र बनेगा। फडणवीस ने यहां आयोजित एक बैठक में भारत समुद्री सप्ताह 2025 की तैयारियों की समीक्षा की। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और राज्य के मत्स्य पालन एवं बंदरगाह मंत्री नितेश राणे उपस्थित थे।

कार्यक्रम 27 से 31 अक्टूबर तक गोरेगांव में स्थित नेस्को प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस कार्यक्रम में आने की उम्मीद है। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे। फडणवीस ने कहा, मुंबई में आर्थिक विकास की अपार संभावनाएं हैं और महाराष्ट्र ने हमेशा देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भारत समुद्री सप्ताह 2025 राज्य और देश में समुद्री क्षेत्र के लिए नए अवसर खोलेगा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र समुद्री निवेश के लिए अनुकूल है, जिसे इस आयोजन से और बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने कहा कि मुंबई ऐसे वैश्विक आयोजनों के लिए एक आदर्श स्थान है और महाराष्ट्र में समुद्री क्षेत्र में निवेश के लिए अपार अवसर हैं, जिससे उद्योगों को लाभ होगा। बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्रालय और भारतीय बंदरगाह संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भारत की समुद्री नीति, नवाचार, सतत विकास, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और औद्योगिक विकास पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

गढ़चिरौली में शीर्ष नक्सली भूपति और 60 अन्य नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गढ़चिरौली/भाषा। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में शीर्ष नक्सली मल्लोजुला वेणुगोपाल उर्फ भूपति और 60 अन्य नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित संगठन के प्रभावशाली रणनीतिकारों में से एक भूपति केंद्रीय समिति और पोलित ब्यूरो का सदस्य था और उस पर छह करोड़ रुपये का ईनाम था। उन्होंने बताया कि नक्सलियों ने सोमवार रात करीब 10 बजे पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने बताया कि कार्यकर्ताओं को होदरी गांव से पुलिस वाहनों में गढ़चिरौली पुलिस मुख्यालय लाया गया, जहां उन्होंने 54 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। अधिकारी ने बताया कि जब्त हथियारों में सात

एके-47 और नौ इंसास राइफल शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले कार्यकर्ताओं में केंद्रीय समिति का एक सदस्य, दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति (डीकेएसजेडसी) के तीन सदस्य और प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) की एक संभागीय समिति के 10 सदस्य शामिल हैं।

सूत्रों के अनुसार, वेणुगोपाल उर्फ ङ्क्ङ्भूपति उर्फ सोनू को माओवादी संगठन के सबसे प्रभावशाली रणनीतिकारों में से एक माना जाता था और उसने लंबे समय तक महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर प्लाटून अभियानों की निगरानी की थी। हालांकि, हाल के महीनों में उनके और शीर्ष नक्सली नेतृत्व के बीच बढ़ते मतभेदों के कारण आंतरिक संघर्ष छिड़ गया। सूत्रों ने कहा कि भूपति ने दावा किया था कि सशस्त्र संघर्ष विफल हो गया है और घटते जन समर्थन और सैकड़ों कार्यकर्ताओं के हताहत होने का हवाला देते हुए शांति व संवाद की ओर रुख करने की अपील की थी। सूत्रों ने बताया कि उसके इस रुख का अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने विरोध किया, जिन्होंने किसी अन्य नेता के नेतृत्व में लड़ाई जारी रखने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि केंद्रीय नक्सली नेतृत्व के दबाव में, भूपति अंततः हथियार डालने के लिए तैयार हो गया, संगठन छोड़ने की घोषणा की और अपने समर्थकों के साथ गढ़चिरौली पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। हाल के महीनों में, गढ़चिरौली जिले में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की संख्या बढ़ रही है। भूपति और 60 नक्सलियों के आत्मसमर्पण को राज्य में माओवादी आंदोलन के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। इस साल की शुरुआत में भूपति की पत्नी तारक्का ने भी आत्मसमर्पण कर दिया था। वह प्रतिबंधित आंदोलन की दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति की सदस्य थी। तीन अक्टूबर को राज्य पुलिस मुख्यालय में एक कार्यक्रम के दौरान, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि राज्य में नक्सल आंदोलन समाप्ति की ओर है।

आपदा जोखिम को कम करना लागत वाला नहीं, बल्कि साझा भविष्य में सामूहिक निवेश है : पी के मिश्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री कार्यालय के शीर्ष अधिकारी पी के मिश्रा ने कहा है कि आपदा जोखिम को कम करना कोई लागत नहीं, बल्कि विश्व के साझा भविष्य में एक सामूहिक निवेश है। दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में जी-20 आपदा जोखिम न्यूनीकरण मंत्रिस्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधान सचिव मिश्रा ने कहा कि भारत अनेक खतरों की पूर्व चेतावनी प्रणालियों को आगे बढ़ाने, पूर्वानुमानित कार्रवाई के लिए अग्रिम वित्तपोषण का लाभ उठाने और लचीलेपन के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। मिश्रा ने 2023 में जी-20 डीआरआर कार्य समूह के गठन में भारत की अग्रणी भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) के माध्यम से भारत के नेतृत्व को दोहराया, जिसने 50 देशों को तकनीकी सहायता प्रदान की है।

मिश्रा ने साझेदारी की भावना को बढ़ावा देने और आपदा जोखिम न्यूनीकरण एजेंडे के अंतर्गत अफ्रीका के दृष्टिकोण को बढ़ाने के लिए दक्षिण अफ्रीका की जी-20 अध्यक्षता की सराहना की। मंत्रिस्तरीय बैठक में 13 अक्टूबर को, अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के अवसर पर, 'सभी के लिए लचीलापन: एकजुटता, समानता और स्थिरता के माध्यम से आपदा जोखिम न्यूनीकरण को सुदृढ़ बनाना' घोषणापत्र को अपनाया गया।

पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर के लिए व्यापक सुरक्षा योजना तैयार की जाएगी : जी सी मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी/भाषा। बारहवीं सदी के श्री जगन्नाथ मंदिर की पूर्ण सुरक्षा के लिए जल्द ही एक व्यापक सुरक्षा योजना तैयार की जाएगी, मंदिर की सुरक्षा उप-समिति के प्रमुख गिरीश चंद्र मुर्मू ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपराज्यपाल और भारत के पूर्व नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक मुर्मू ने सुरक्षा पहलुओं पर श्री जगन्नाथ मंदिर की उप-समिति की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद यह बात कही। पुरी के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के अलावा मंदिर के वरिष्ठ सेवादार भी सुरक्षा उप-समिति के सदस्यों में शामिल हैं।

मुर्मू ने संवाददाताओं से कहा, एक व्यापक सुरक्षा योजना बनाई जा रही है, जिसमें मंदिर के अंदर और बाहरी घेरे दोनों की सुरक्षा का ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित योजना से श्रद्धालुओं और सेवादारों को परेशानी न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए सभी हितधारकों की राय ली जाएगी। सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित व्यापक सुरक्षा योजना का उद्देश्य मंदिर की भौतिक और डिजिटल संपत्तियों की किसी भी क्षेत्र से आने वाले सभी प्रकार के खतरों से सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसलिए, जोखिम मूल्यांकन, भेद्यता प्रबंधन, भौतिक सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और अन्य पहलुओं पर विचार करने के बाद एक नीति और प्रक्रियात्मक योजना तैयार की जाएगी। सुरक्षा पहलुओं में काफी अनुभव रखने वाले मुर्मू, विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर में अपने कार्यकाल के बाद, मंदिर की सुरक्षा उप-समिति के प्रमुख हैं, जिसका गठन 12वीं शताब्दी के मंदिर के इतिहास में पहली बार किया गया था। उप-समिति को श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंध समिति (एसजेटीएमसी) का अनुमोदन प्राप्त है, जो मंदिर की सर्वोच्च संस्था है और जिसके अध्यक्ष पुरी के गजपति महाराजा दिब्यसिंह देब हैं।

दोहा से हांगकांग के लिए रवाना हुए विमान को अहमदाबाद हवाई अड्डे की ओर मोड़ा गया

अहमदाबाद/भाषा। दोहा से मंगलवार सुबह हांगकांग के लिए रवाना हुए कतर एयरवेज के एक विमान को यात्रा के दौरान कुछ तकनीकी खराबी आने के बाद एहतियात के तौर पर अहमदाबाद की ओर मोड़ दिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। कतर एयरवेज की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, उड़ान संख्या क्यूआर816 ने सुबह करीब नौ बजे दोहा के हम्माद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी और अपराह्न करीब 2:40 बजे इसे अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एसवीपीआईए) की ओर मोड़ दिया गया। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने कहा, यात्रा के दौरान कुछ तकनीकी खराबी आने के कारण कतर एयरवेज की दोहा-हांगकांग उड़ान को एहतियात के तौर पर अहमदाबाद की ओर मोड़ दिया गया। अपराह्न करीब 2:40 बजे विमान सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतारा गया। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे पर विमान की गहन जांच के बाद उड़ान फिर से शुरू करने का फैसला लिया जाएगा। विमानन कंपनी की वेबसाइट पर बताया गया है कि उड़ान शाम 5:30 बजे हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 से हांगकांग के लिए रवाना होगी।

जन जागरूकता बढ़ाने के लिए

राज्यपाल ने आरटीआई के पूर्ण डिजिटलीकरण का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने इस बात पर ज़ोर दिया कि शासन के सभी स्तरों पर सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ाने से स्वतः ही पारदर्शिता आएगी। वे आज बेंगलूरु में आयोजित सूचना का अधिकार अधिनियम - 20 वर्ष समारोह कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल ने कहा कि समय की मांग है कि सूचना के अधिकार (आरटीआई) प्रक्रिया को पूरी तरह से डिजिटल और सरल बनाया जाए, सूचना आयोगों की स्वतंत्रता और दक्षता को बढ़ाया जाए, तथा सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शासन में नैतिक मूल्य के रूप में पारदर्शिता को बढ़ावा दिया जाए।

आरटीआई अधिनियम के कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए, राज्यपाल ने कहा, इस अधिनियम का दुरुपयोग, सार्वजनिक कार्यालयों पर बढ़ता बोझ और जन जागरूकता की कमी प्रमुख मुद्दे हैं। आरटीआई अधिनियम की वास्तविक शक्ति को समझना, इसके दुरुपयोग को रोकना और यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि प्रत्येक नागरिक इस अधिकार का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सके। प्रशासन में सूचना प्रौद्योगिकी के अधिक उपयोग से पारदर्शिता और जन जागरूकता दोनों बढ़ेगी, जिससे प्रत्येक नागरिक को 'सूचना के अधिकार' को अपना अधिकार मानने का अधिकार मिलेगा।

उन्होंने कहा, सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 जनता का अधिकार है जो लोकतंत्र की भावना को मज़बूत करता है। यह सरकार और नागरिकों के बीच जवाबदेही, पारदर्शिता और आपसी विश्वास की नींव रखता है। आरटीआई अधिनियम सिर्फ़ एक क़ानूनी प्रावधान नहीं है-यह एक लोकतांत्रिक साधन है जो नागरिकों और सरकार के बीच की खाई को पाटता है। नागरिक जागरूकता के महत्व पर ज़ोर देते हुए, राज्यपाल ने कहा, लोकतंत्र की असली ताकत जनता में निहित है। जब नागरिक जागरूक होते हैं, तो प्रशासन जवाबदेह बनता है। सूचना का अधिकार इस जागरूकता का आधार है-यह नागरिकों को सशक्त बनाता है और प्रशासनिक उत्तरदायित्व सुनिश्चित करता है। पिछले दो दशकों में, सूचना का अधिकार अधिनियम ने पारदर्शिता को बढ़ावा देकर, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाकर, नागरिकों की भागीदारी बढ़ाकर और प्रशासनिक सुधारों को आगे बढ़ाकर शासन व्यवस्था को बदल दिया है।

अधिनियम को और मज़बूत बनाने के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान करते हुए, गहलोत ने कहा, आने वाले दिनों में इस अधिकार को कैसे मज़बूत बनाया जाए, इस पर गहन विचार-विमर्श की आवश्यकता है। मैं सरकार और सूचना आयोग से आग्रह करता हूँ कि वे इस अधिनियम के कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों का सकारात्मक समाधान ढूँढने के लिए मिलकर काम करें। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि सूचना आयोग के समक्ष लंबित अपीलों का शीघ्र निपटारा किया जाना चाहिए।

आरएसएस गतिविधियों पर रोक की मांग करने पर

प्रियंक खरगे ने धमकियां मिलने का दावा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने मंगलवार को दावा किया कि उन्हें और उनके परिवार को फोन कर धमकियां दी जा रही हैं, डराया जा रहा है और ''गालीगलौज'' किया जा रहा है क्योंकि उन्होंने सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक संस्थानों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों पर सवाल उठाने और उन्हें रोकने का साहस किया है।

खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पिछले दो दिन से मेरे फोन की घंटी बजनी बंद नहीं हुई है। मुझे और मेरे परिवार को फोन कर धमकियां दी जा रही हैं, डराया-धमकाया जा रहा है और गालीगलौज की जा रही है, सिर्फ इसलिए कि मैंने सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक संस्थानों में आरएसएस की गतिविधियों पर सवाल उठाने और उन्हें रोकने की हिम्मत की। बहरहाल, उन्होंने कहा कि वह न तो विचलित हुए हैं और न ही उन्हें कोई हैरानी हुई है। वह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पुत्र हैं। उन्होंने कहा, ''जब आरएसएस ने महात्मा गांधी या बाबासाहेब अंबेडकर को नहीं बख्शा, तो वे मुझे क्यों छोड़ेंगे?''

सूचना प्रौद्योगिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी मंत्री खरगे ने संकल्प दोहराते हुए कहा, अगर वे (आरएसएस) सोचते हैं कि वे धमकियां देकर और व्यक्तिगत ताने मारकर मुझे चुप करा देंगे, तो वे गलतफहमी में हैं। यह तो अभी शुरुआत है। मंत्री ने हाल में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को पत्र लिखकर उनसे सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया था।

'डिजिटल गिरफ्तारी'

बेंगलूरु पुलिस ने कहा कि साइबर ठगों ने अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाया

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु में पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए साइबर ठगों ने 'डिजिटल गिरफ्तारी' के जरिए अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, सात अक्टूबर को एक फर्जी बीपीओ का भंडाफोड़ किया गया और 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया, ''साइबर अपराध करने के उद्देश्य से एक फर्जी बीपीओ कंपनी साइबिट्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड' नाम से स्थापित की गई थी। नौकरी के बहाने लगभग 20 से 25 युवक-युवतियों को ऑनलाइन भर्ती किया गया था और उन्हें ऑनलाइन माध्यम से साइबर धोखाधड़ी का प्रशिक्षण दिया जा रहा था।'' पुलिस ने बताया कि गिरोह के सदस्य अज्ञात व्यक्तियों की व्यक्तिगत जानकारी ऑनलाइन एकत्र करते थे, उनसे फोन पर संपर्क करते थे और उन्हें यह कहकर धमकाते थे कि उनके खिलाफ मादक पदार्थ कानून और धन शोधन अपराधों के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने कहा, ''जांच या पुलिस एजेंसियों के अधिकारी होने का नाटक करते हुए उन्होंने निर्दोष लोगों को धमकाया और मदद' की पेशकश की आड़ में उन्हें ऑनलाइन पैसे देने का लालच दिया, जिससे उन्हें अवैध लाभ हुआ।''

'ग्रैंड दिवाली फैशन एडिट' के साथ हाई लाइफ प्रदर्शनी धूम मचाने को तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । फैशन और स्टाइल के लिए मशहूर हाई लाइफ प्रदर्शनी इस त्योहारी सीजन में 'ग्रैंड दिवाली फैशन एडिट' के साथ बेंगलूरु में धूम मचाने को तैयार है। यह 15 अक्टूबर को द ललित अशोक में शुरू होगी। इस आयोजन में कई मशहूर डिजाइनर अपने अनूठे प्रॉडक्ट पेश करेंगे। उनमें परंपरा और आधुनिकता का संगम देखने को मिलेगा। आयोजकों ने बताया कि 15 से 17 अक्टूबर तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में डिजाइनर वस्त्र, हस्तनिर्मित गहने और लग्जरी डेकोर आइटम्स प्रदर्शित होंगे, जो आपके त्योहारी लुक को नया आकर्षण देंगे। उन्होंने कहा कि सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक चलने वाली यह प्रदर्शनी वैले पार्किंग के साथ सभी फैशनप्रेमियों का इंतजार कर रही है। दिवाली को स्टाइलिश अंदाज में मनाने के लिए हाई लाइफ प्रदर्शनी एक शानदार अवसर लेकर आई है।

फाटो : अनंत सुब्रमण्यम के

प्रोजेक्ट 'खुशी' से मिल रहे उत्साहजनक नतीजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु शहर पुलिस द्वारा हैप्पीएस्ट हेल्थ के साथ मिलकर शुरू किए गए प्रोजेक्ट 'खुशी' के उत्साहजनक नतीजे सामने आ रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह स्वास्थ्य और कल्याण कार्यक्रम है। इसे पुलिसकर्मियों को जीवनशैली से संबंधित बीमारियों से सुरक्षित रहने में मदद करने के लिए तैयार किया गया है। बता दें कि प्रोजेक्ट 'खुशी' तीन महीने का फिजिटल (फिजिकल एवं डिजिटल) कार्यक्रम है।

इसके तहत पुलिसकर्मियों के सामने आने वाली स्वास्थ्य चुनौतियों, जैसे- लंबे समय तक काम करने से हाई स्ट्रेस, अनियमित दिनचर्या, नींद के पैटर्न में बाधा, की ओर ध्यान दिया जा रहा है। इसके साथ पुलिसकर्मियों के पहले बैच की अनूठी यात्रा जारी है। इसमें डाइट, योग, जीवनशैली और माइंडफुलनेस की शिक्षा शामिल है। इससे कई पुलिसकर्मियों को एक महीने में 2 से 5 किलोग्राम तक वजन कम करने में मदद मिली है।

बायोकॉन प्रमुख की सोशल मीडिया पोस्ट के बाद बेंगलूरु के बुनियादी ढांचे को लेकर बहस तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु की सड़कों और कचरे को लेकर बायोकॉन की प्रमुख किरण मजूमदार-शॉ की सोशल मीडिया पोस्ट के बाद शहर के बुनियादी ढांचे पर एक बार फिर बहस छिड़ गई है। इसके बाद उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को यह कहने पर मजबूर होना पड़ा कि शहर को सामूहिक प्रयास की जरूरत है, न कि लगातार आलोचना की। राज्य के मंत्रियों प्रियांक खरगे और एम. बी. पाटिल ने भी समस्याओं को स्वीकार किया और कहा कि इन्हें ठीक करने में समय लगेगा। उन्होंने शहर को बेहतर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया।

शॉ ने शहर की बुनियादी संरचना संबंधी समस्याओं का जिक्र करते हुए 'एक्स' पर लिखा, बायोकॉन पार्क में एक विदेशी कारोबारी आया था, जिसने मुझसे कहा, 'सड़कें इतनी खराब क्यों हैं और चारों ओर इतना कचरा क्यों है? क्या सरकार निवेश को बढ़ावा नहीं देना चाहती? मैं अभी चीन से आया हूं और समझ नहीं पा रहा हूं कि भारत अपने काम ठीक से क्यों नहीं कर पा रहा है, खासकर जब माहौल अनुकूल है? शॉ ने इस पोस्ट के साथ मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, डी. के. शिवकुमार और आईटी/बीटी मंत्री प्रियांक खरगे को टैग किया। शहर में सड़कों की खराब स्थिति और यातायात की समस्याओं को लेकर राज्य सरकार आलोचनाओं का सामना कर रही है।

बेंगलूरु के विकास के प्रभारी मंत्री शिवकुमार ने शॉ के पोस्ट का कोई संदर्भ दिए बिना कहा कि बेंगलूरु ने लाखों लोगों को अवसर, पहचान और सफलता दी है - यह सामूहिक प्रयास का हकदार है, न कि निरंतर आलोचना का। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, हां, चुनौतियां हैं, लेकिन हम उनका ध्यान और तत्परता से समाधान कर रहे हैं। सड़क मरम्मत के लिए 1,100 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, 10,000 से ज़्यादा गड्ढों की पहचान की गई है और 5,000 से ज़्यादा गड्ढों को प्राथमिकता के आधार पर ठीक किया जा चुका है। बेंगलूरु को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए बड़े बुनियादी ढांचे पर जारी है। शॉ के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, मंत्री प्रियांक खरगे ने माना कि हर विकासशील शहर, चाहे वह सैन फ्रांसिस्को हो, लंदन हो या बेंगलूरु, चुनौतियों का सामना करता है। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों से पार पाना, लोगों की जरूरतों को पूरा करना और निवेश आकर्षित करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, यह सरकार की मुख्य ज़िम्मेदारी है और हम इसे पूरा करेंगे।

मीडिया से बात करते हुए, उद्योग मंत्री एम. बी. पाटिल ने कहा कि सरकार इन समस्याओं को दूर करने के लिए काम कर रही है और किरण मजूमदार-शॉ को चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं है। उन्होंने कहा, उन्हें (शॉ) अपनी कंपनी के आसपास के इलाकों में सीएसआर फंड से भी विकास कार्य शुरू करने चाहिए। उन्हें पता है कि सरकार ने इन समस्याओं को दूर करने के लिए काम शुरू कर दिया है। मुझे नहीं पता कि इस मुद्दे पर अभी ट्वीट करने की जरूरत थी या नहीं।

अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन

(विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का एक सांविधिक निकाय)
(फाइल संख्या : ANRF/Rectt./2025)

विज्ञापन सूचना संख्या 02/2025

अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) निम्नलिखित पदों को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित करता है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

वैज्ञानिक एवं तकनीकी पदः

क्र.सं.	पद का नाम	वेतनमान	पदों की संख्या	भर्ती का माध्यम	आरक्षण
1	वैज्ञानिक-डी	पे मैट्रिक्स (रु. 78800-209200) में लेवल-12	02	प्रतिनियुक्ति/सीधी भर्ती	अनारक्षित-2
2	वैज्ञानिक-सी	पे मैट्रिक्स (रु. 67700-208700) में लेवल-11	05*	सीधी भर्ती	अनारक्षित-2, अन्य पिछड़ा वर्ग-01, अनुसूचित जाति-01, अनुसूचित जनजाति-01

* वैज्ञानिक-सी के पांच पदों में से, एक पद बेंचमार्क विकलांगता वाले (PwBD) उम्मीदवारों के लिए भी आरक्षित है।

- आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि ''एम्प्लॉयमेंट न्यूज/रोजगार समाचार'' में विज्ञापन के प्रकाशन की तारीख से 45 (पैंतालीस)दिन होगी और अधिसूचित दूरदराज वाले क्षेत्रों के आवेदकों के लिए यह ''एम्प्लॉयमेंट न्यूज'' में विज्ञापन के प्रकाशन की तारीख से 60 दिन होगी, जैसा कि विस्तृत विज्ञापन में वर्णित है।
- अन्य विवरण जैसे कि पात्रता मानदंड, आयु, शैक्षणिक योग्यताएं, अनुभव, चयन प्रक्रिया, भर्ती के नियम व शर्तें और आवेदन प्रारूप आदि वाला **विस्तृत विज्ञापन** हमारी वेबसाइट www.serb.gov.in/www.dst.gov.in पर उपलब्ध है।

CBC 36130/11/0001/2526 **निदेशक**

दक्षिण पश्चिम रेलवे और एनसीडब्ल्यू के तत्वावधान में मानव तस्करी विरोधी कार्यशाला का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू), नई दिल्ली और दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) बेंगलूरु मंडल द्वारा 14 अक्टूबर को कर्नाटक राज्य सरकार कर्मचारी संघ सभागार, कब्बन पार्क में मानव तस्करी विरोधी विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य मानव तस्करी की रोकथाम, पता लगाने और उससे निपटने में प्रमुख हितधारकों को संवेदनशील बनाना और प्रशिक्षित करना था, जिसमें इस गंभीर सामाजिक समस्या से निपटने में रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका पर विशेष जोर दिया गया।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में, उन्होंने सभी प्रमुख शहरों में इसी तरह की जागरूकता कार्यशालाएँ आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने न केवल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में, बल्कि रेलवे नेटवर्क के माध्यम से मानव तस्करी के शिकार लोगों को बचाने में भी आरपीएफ के समर्पित प्रयासों की सराहना की। सोमन्ना ने 'ऑपरेशन मेरी सहेली' जैसी पहल की सफलता की भी सराहना की, जो अकेले या बच्चों के साथ यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की सुरक्षा पर केंद्रित है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया के. रहाटकर ने मुख्य भाषण दिया। उन्होंने मानव तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता की सराहना की और इस मुद्दे को संयुक्त रूप से संबोधित करने के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग और भारतीय रेलवे के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन पर प्रकाश डाला। इस सहयोग के तहत, जागरूकता और कार्रवाई को मज़बूत करने के लिए देश भर में ऐसी कार्यशालाएँ आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने मानव तस्करी से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए चार मुख्य सिद्धांतों 'रोकथाम, संरक्षण, अभियोजन और भागीदारी' पर ज़ोर दिया और रेल सुरक्षा बल के सक्रिय उपायों की सराहना की, जिसमें 'ऑपरेशन मातृशक्ति' भी शामिल है, जो रेल यात्रा के दौरान प्रसव पीड़ा से गुज़र रही गर्भवती महिलाओं को सहायता प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय महिला आयोग के सदस्य सचिव सुदीप जैन और बेंगलूरु मंडल के अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक प्रवीण कटारकी ने भी अपने संबोधन दिए। दपरे के आरपीएफ डीआईजी लुईस अमुथन ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया। वहीं मंडल सुरक्षा आयुक्त के जेम्स ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन

(विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का एक सांविधिक निकाय)
(फाइल संख्या : ANRF/Rectt./2025)

विज्ञापन सूचना संख्या 01/2025

अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) निम्नलिखित पदों को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित करता है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

क्र. सं.	पद का नाम	वेतनमान	पदों की संख्या	भर्ती का माध्यम
I.	वैज्ञानिक एवं तकनीकी पदः			
1	वैज्ञानिक-जी	पे मैट्रिक्स (रु. 144200-218200) में लेवल-14	04	प्रतिनियुक्ति आधार पर
II.	प्रशासनिक पद :			
1	निदेशक	पे मैट्रिक्स (रु. 123100-215900) में लेवल-13	02	प्रतिनियुक्ति आधार पर
2	अवर सचिव	पे मैट्रिक्स (रु. 67700-208700) में लेवल-11	02	प्रतिनियुक्ति आधार पर
3	लेखा अधिकारी	पे मैट्रिक्स (रु. 53100-167800) में लेवल-9	01	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति (अल्पकालिक संविदा सहित)

- आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि ''एम्प्लॉयमेंट न्यूज/रोजगार समाचार'' में विज्ञापन के प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिन होगी और अधिसूचित दूरदराज वाले क्षेत्रों के आवेदकों के लिए यह ''एम्प्लॉयमेंट न्यूज'' में विज्ञापन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन होगी, जैसा कि विस्तृत विज्ञापन में वर्णित है।
- अन्य विवरण जैसे कि पात्रता मानदंड, आयु, शैक्षणिक योग्यताएं, अनुभव, चयन प्रक्रिया, भर्ती के नियम व शर्तें और आवेदन प्रारूप आदि वाला **विस्तृत विज्ञापन** हमारी वेबसाइट www.serb.gov.in/www.dst.gov.in पर उपलब्ध है।

CBC 36130/11/0003/2526 **निदेशक**

खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य को भी देते हैं मजबूती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने मंगलवार को प्रदीप संचेती की पुण्यतिथि पर अलवर में अग्रसेन मार्ग स्थित ओसवाल स्कूल में आयोजित द्वितीय बास्केटबॉल खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन किया और खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया।

शर्मा ने कहा कि खेलों का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य की मजबूती के लिए भी आवश्यक है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिल्पकार के रूप में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फिट इंडिया मूवमेंट से प्रेरणा लेकर केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने अलवर संसदीय क्षेत्र के बालक-बालिकाओं को अलवर सांसद खेल उत्सव के रूप में खेलों के लिए बेहतरीन प्लेटफार्म उपलब्ध कराया है। उन्होंने प्रतियोगिता संचालकों से आह्वान किया कि सभी बास्केटबॉल खिलाडियों का अलवर सांसद खेल उत्सव में रजिस्ट्रेशन करवाएं। उन्होंने प्रदीप संचेती को नमन करते हुए कहा कि संचेती परिवार द्वारा उनकी स्मृति को चिरस्थाई बनाने तथा अलवर शहर के खिलाडियों को बास्केटबॉल खेल का प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने हेतु आयोजित की गई यह प्रतियोगिता एक सराहनीय कदम है। इस दौरान शर्मा ने स्वयं बास्केटबॉल खेलकर स्वास्थ्यपूर्ण जीवन के लिए खेलों को शामिल करने का संदेश दिया एवं खिलाडियों से हाथ-मिलाकर उनकी हौसला अफजाई की।

अग्निवीर की सैन्य सम्मान से अंत्येष्टि, सांसद हुए बेहोश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के कोटपूतली-बहरोड़ जिले में मंगलवार को अग्निवीर भीम सिंह की अंत्येष्टि के दौरान भाजपा सांसद राव राजेंद्र सिंह बेहोश हो गए।

जयपुर ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र से सांसद राजेंद्र सिंह, मृत सैनिक को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिए जाने के दौरान भीड़ के बीच बेहोश हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई गई है।

अग्निवीर भीम सिंह (19) अगस्त में उत्तराखंड के धराली में बादल फटने के बाद लापता हो गए थे। हाल में उनका पार्थिव शरीर बरामद किया गया और उनके पैतृक गांव में पूरे सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

इससे पहले, सिंह के पार्थिव शरीर को प्रागपुरा लाया गया, जहां से उनके गांव तक सात किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और भीम सिंह अमर रहें और भारत माता की जय के नारे लगाए।

राष्ट्रीय आत्म निर्भरता के लिए स्वदेशी उत्पादों की प्राथमिकता आवश्यक : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को अजमेर के खाटू श्याम मंदिर गार्डन में आयोजित स्वदेशी मेला एवं प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। यह आयोजन दीनदयाल मंडल के तत्वावधान में आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत स्वदेशी उत्पादन और छोटे कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

देवनानी ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और स्थानीय कारीगरों, उद्यमियों और छोटे व्यवसायियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम स्थानीय रोजगार को सशक्त बनाने और आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने जनता से भी अपील की कि वे स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देकर राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता और स्थानीय व्यवसायों को समर्थन दें। इस मेला एवं प्रदर्शनी के माध्यम से स्वदेशी उत्पादों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का सार्थक प्रयास किया गया, जो क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास में भी सहायक साबित होगा।

गैंगस्टर अमित शर्मा उर्फ जैक पण्डित अमेरिका में गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लॉरेन्स विश्नोई गैंग के सक्रिय गैंगस्टर वर्तमान में रोहित गोदारा गैंग से संबंध रखने वाले गैंगस्टर अमित शर्मा उर्फ जैक पण्डित को एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स राजस्थान की सूचना पर सी.बी.आई. की इन्टरपोल ब्रान्च के माध्यम से अमेरिकी एजेन्सियों को सूचित करने पर अमित शर्मा उर्फ जैक पण्डित को किया डिटेन, जिसको भारत लाने के प्रयास जारी हैं।

अपराध शाखा/एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के अति. महानिदेशक दिनेश एम.एन. के निर्देशन में संगठित आपराधिक गिरोह के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए रोहित गोदारा गैंग का फरार कुख्यात अपराधी अमित शर्मा उर्फ जैक पण्डित जो गैंग के लिए विदेशों में बैठकर आपराधिक गतिविधियां कर रहा था, यह गैंग के लिए फाइनेंस का काम सम्भालता था, जिसके लिए वह एक्सर्टेशन मनी को विदेशों में रिसीव करने एवं विभिन्न माध्यमों से गैंग के सदस्यों तक पहुंचाने का मुख्य रूप से कार्य करता था। इसके अलावा इस गैंग के जो सदस्य भारत से विदेशों में छुपने के लिये भाग जाते थे उनको विदेशों में शरण दिलाने एवं उनको पैसा उपलब्ध करवाना, उनके लिये फर्जी दस्तावेज तैयार करवाने का काम कर रहा था। रोहित गोदारा जब भारत से भागकर गया था तो अमित पण्डित ने ही इसकी रूकवाने की व्यवस्था की थी।

जैसलमेर जिले में चलती बस में आग लगी, कई यात्री झुलसे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर/भाषा। राजस्थान के जैसलमेर जिले में एक निजी बस में मंगलवार दोपहर अचानक आग लगने से कम से कम 10 लोग झुलस गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, बस जैसलमेर से जोधपुर जा रही थी तभी अपराह्न करीब तीन बजे थईयात गांव के पास उसके पिछले हिस्से से अचानक धुआं निकलने लगा और चालक ने बस को सड़क किनारे रोकने का प्रयास किया, लेकिन कुछ ही पलों में आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। उन्होंने बताया कि शुरुआती जानकारी के अनुसार हादसे करीब 10 से 12 यात्री झुलस गए हैं।

जैसलमेर के जिला कलेक्टर प्रताप सिंह ने इस घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की है और संबंधित अधिकारियों को तत्काल राहत एवं चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि घायलों को श्री जवाहर चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

अलवर पुलिस का कांस्टेबल हजारीलाल बना देवदूत

25 फीट ऊँचे बंद मकान में फंसी 4 साल की मासूम को ने जान पर खेलकर बचाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने एक बार फिर सेवा संवेदना और समर्पण की अनूठी मिसाल पेश की है। सोमवार 13 अक्टूबर की रात अलवर शहर में 25 फीट की ऊँचाई पर एक मकान की प्रथम मंजिल में गलती से फंसी 4 साल की मासूम निधि राठौड़ को पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए सुरक्षित बाहर निकाल लिया। डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने पुलिस की इस त्वरित कार्यवाही की सराहना की है।

अलवर एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि शहर की संकड़ी गलियों में स्थित इस मकान की पहली मंजिल से बच्ची के रोने की आवाज़ सुनकर स्थानीय लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी कि निशा राजपूत के मकान में 4 साल की बच्ची घर के अन्दर बन्द है। मकान में लाईट नहीं है, अकेली डरी हुई बच्ची बुरी तरह रो रही है। सूचना मिलते ही थानाधिकारी विजयपाल सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुँची।

करीब 25 मिनट के इस जोखिम भरे ऑपरेशन में कांस्टेबल हजारी लाल ने बच्ची को प्यार से आवाज देकर समझा-बुझाया, उसका डर कम किया और उसे झरोखे की ओर बुलाया। इसके बाद उन्होंने बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाला।

डीजीपी ने की पुलिस कार्रवाई की प्रशंसा

इस संवेदनशीलता भरी कार्यवाही पर डीजीपी राजीव शर्मा ने पुलिस टीम और कांस्टेबल हजारी लाल की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा राजस्थान पुलिस का यह कार्य सेवा, संवेदना और समर्पण का जीवंत उदाहरण है। पुलिस सिर्फ कानून की रक्षक नहीं, समाज की संरक्षक भी है।

फायर सेफ्टी एवं अन्य सुरक्षा प्रबंधों में नहीं रहे कोई कमी, लापरवाही पर संस्थान प्रभारी होंगे जिम्मेदार : खींवसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि चिकित्सा संस्थानों में रोगियों एवं उनके परिजनों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि अधिकारी सभी चिकित्सा संस्थानों में फायर सेफ्टी सहित अन्य सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। किसी भी चिकित्सा संस्थान में सुरक्षा प्रबंधों को लेकर कमी पाई गई तो संबंधित चिकित्सा संस्थान के प्रभारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी और किसी भी तरह की घटना पर सख्त एक्शन लिया जाएगा।

चिकित्सा मंत्री मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में चिकित्सा संस्थानों में सुरक्षा प्रबंध, मौसमी बीमारियों, मानव संसाधन, जांच, दवा एवं उपचार की व्यवस्थाओं सहित अन्य विषयों पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विगत दिनों एसएमएस अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में हुई आग की घटना बेहद दुःखद है। ऐसी घटनाओं से सबक लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के शत-प्रतिशत चिकित्सा संस्थानों में फायर सेफ्टी ऑडिट सुनिश्चित की जाए। न केवल राजकीय बल्कि निजी चिकित्सा संस्थानों में भी फायर सेफ्टी नियमों की पूर्ण पालना सुनिश्चित हो।

खींवसर ने कहा कि चिकित्सा संस्थानों में फायर सेफ्टी उपकरण क्रियाशील हों और इस स्थिति में हों कि आवश्यकता होने पर उनका उपयोग किया जा सके। प्रभारी अधिकारी इसकी नियमित मॉनिटरिंग करें। समय-समय इन उपकरणों की टेस्टिंग की जाए। साथ ही, अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर मॉक ड्रिल भी की जाए। उन्होंने कहा कि जिन अस्पतालों में इस वर्ष फायर सेफ्टी ऑडिट नहीं हुई है, वे तत्काल कराएं। कहीं भी सुरक्षा प्रबंध को लेकर बजट आदि की आवश्यकता है तो प्रस्ताव विभाग को भिजवाएं।

एनपीए लेने के बाद भी प्रेक्टिस की तो होगी कार्रवाई

चिकित्सा मंत्री ने सख्त हिदायत दी कि ऐसे चिकित्सक जो नॉन प्रेक्टिस अलाउंस ले रहे हैं, वे प्राइवेट प्रेक्टिस नहीं करें। अगर ऐसा पाया जाता है तो नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि चिकित्सा संस्थानों में प्रशासनिक पदों पर पदस्थापित अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा से निर्वहन करें, ताकि अस्पतालों में सभी व्यवस्थाएं माकूल रहें।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि बारिश थमने के बाद विगत दिनों में मौसमी बीमारियों के केस बढ़ने लगे हैं। अधिकारी डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया एवं स्क्रब टायफस सहित अन्य मौसमी बीमारियों की स्थिति पर निगरानी रखें। सभी चिकित्सा संस्थानों में जांच, दवा एवं उपचार के माकूल इंतजाम रखे जाएं। जहां केस ज्यादा सामने आ रहे हैं, वहां विशेष सतर्कता बरतते हुए रोकथाम गतिविधियां बढ़ाई जाएं। रेपिड रेस्पॉन्स टीमों के माध्यम से उपचार व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जाए।

सहकार से समृद्धि की संकल्पना को साकार कर रही राज्य सरकार : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सहकार से समृद्धि की संकल्पना को साकार करने में राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में है। राज्य सरकार सहकारी समितियों को सशक्त कर ग्रामीणों की आय बढ़ाने, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने तथा किसानों को बेहतर बाजार के अवसर सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित नवीन को-ऑपरेटिव अधिनियम से सहकारिता आंदोलन और अधिक समावेशी बनेगा तथा सहकारी सोसायटियों में प्रक्रियाओं के सरलीकरण, पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता को बढ़ावा मिलेगा।

शर्मा मंगलवार दोपहर मुख्यमंत्री कार्यालय पर नए को-ऑपरेटिव कोड के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन के हित में सहकारी कानून को अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए नवीन सहकारी कोड लाने जा रही है। इस संबंध में अधिकारियों ने महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, केरल इत्यादि राज्यों के सहकारी कानूनों के प्रभावी प्रावधानों का समावेश नए सहकारिता कोड में किया है, जिससे सहकारी संस्थाएं सशक्त हो सके।

शर्मा ने कहा कि सतत् विकास में सहकारी समितियों की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण है। हमारा उद्देश्य है कि प्रदेश में सहकारिता को सभी के लिए सुलभ बनाया जाए, ताकि लोगों को सशक्त होने के अधिक से अधिक अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि इस नवीन को-ऑपरेटिव कोड में सहकारी समितियां अपने कार्यक्षेत्र के बाहर स्वयं की दुकानों अथवा आउटलेट खोलकर सीधे अपने उत्पाद बेच सकेगी। साथ ही, ऑडिट को मजबूत करने के लिए सोसायटी द्वारा समय पर ऑडिट रिपोर्ट को विभाग के पोर्टल पर अपलोड करना होगा। जिससे आमजन को भी इसकी जानकारी समय से मिल सकेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नवीन को-ऑपरेटिव कोड में वे समस्त प्रावधान जोड़े जाएं, जिससे सहकारी समितियों को पारदर्शी एवं आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सके।

देश में इस त्योहारी व शादी सीजन में सात लाख करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। उद्योग संगठन भारतीय उद्योग व्यापार मंडल (बीयूवीएम) ने मौजूदा त्योहारी और आगामी शादी विवाह सीजन में देश में सात लाख करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होने का अनुमान लगाया है।

मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबू लाल गुप्ता ने कहा कि त्योहारी सीजन से देश भर के बाजारों में तेजी आई है और विभिन्न क्षेत्रों में 7.58 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होने की उम्मीद है। मंडल ने देश भर में किए गए बाजार सर्वेक्षण पर आधारित एक रिपोर्ट मंगलवार को जारी की। उन्होंने कहा, ''उपभोक्ता को बढ़ता रुझान, स्थानीय उत्पादों के प्रति बढ़ती रुचि और माल व सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में सुधार ने खुदरा और थोक व्यापार को काफी बल मिला है।'' गुप्ता ने कहा कि वाहन, रियल एस्टेट और किराने की आवश्यक वस्तुओं से लेकर आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स, पारंपरिक सजावट, परिधान और सूखे मेवों तक सभी क्षेत्रों में सकारात्मक रुझान दिखाई दे रहा है।

उन्होंने कहा कि खासकर छोटे दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में घरेलू निर्माताओं के लिए अच्छी मांग निकल रही है। माटी के दीये व माटी की मूर्तियां जैसे पारंपरिक और हस्तनिर्मित वस्तुओं की मांग भी मौसमी रीति-रिवाजों के कारण बढ़ी है।

उन्होंने कहा, ''ग्रामीण बाजारों में अच्छी बिक्री है, जिसे फसल कटाई के बाद की आय और शादी-ब्याह से जुड़े खर्चों से बल मिला है।'' पटाखों की बिक्री समग्र व्यापार में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि अकेले उत्तर प्रदेश में इस क्षेत्र में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री होने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि 1.30 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित बिक्री के साथ कार, दोपहिया और ई-रिक्शा सहित ऑटोमोबाइल क्षेत्र बिक्री बढोतरी में सबसे आगे है। इसके बाद रियल एस्टेट और निर्माण सामग्री क्षेत्र 1.20 लाख करोड़ रुपये के साथ दूसरे स्थान पर है।

उन्होंने कहा, ''वृद्धि अनुमान में आवश्यक वस्तुओं का हिस्सा लगभग एक लाख करोड़ रुपये है।' उन्होंने कहा, ''मुंबई और चेन्नई जैसे शहरों से लेकर उत्तर भारत के छोटे शहरों तक, दुकानदारों को आतिशबाजी और त्योहारी वस्तुओं की मांग में वृद्धि देखने को मिल रही है।''

देश में त्योहारी सीजन की शुरूआत नवरात्रों के साथ हुई है और दिवाली के बाद बड़ी संख्या में शादियों के चलते यह गति जारी रहने की उम्मीद है।

किसान सम्मान निधि की पहली किश्त 75 लाख किसानों के खातों में होगी ट्रांसफर

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के शनिवार 18 अक्टूबर को भरतपुर जिले के नदबई में प्रस्तावित दौरे की तैयारियों को लेकर सहकारिता मंत्री श्री गौतम दक ने मंगलवार को नदबई कृषि उपज मंडी में सभा स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को व्यवस्थाओं को समयबद्ध और सुचारू रूप से पूर्ण करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सहकारिता मंत्री ने सभा स्थल का बारीकी से निरीक्षण करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की सभा में आने वाले आमजन की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने छाया, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, वाहन पार्किंग और अन्य आवश्यक सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, सभा स्थल पर सभी व्यवस्थाएं समय पर दुरुस्त होनी चाहिए ताकि कार्यक्रम सुचारू और सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

सहकारिता मंत्री ने बताया कि नदबई में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन के दौरान प्रदेश के लगभग 75 लाख किसानों के बैंक खातों में किसान सम्मान निधि की पहली किस्त सीधे ट्रांसफर की जाएगी।

छठ के दौरान यमुना में नहीं दिखेंगे झाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानीवासियों को मंगलवार को आश्वासन दिया कि आगामी छठ पर्व के दौरान यमुना नदी की सतह पर झाग नहीं दिखाई देगा।

उन्होंने कहा कि प्रदूषित नदी के पुनरुद्धार के लिए तेजी से कार्य जारी है। सर्दियों के मौसम में, खासकर दिवाली के बाद, यमुना नदी में सीवर और औद्योगिक अपशिष्ट छोड़े जाने के कारण पानी में झाग दिखाई देता है। विपक्षी दल और पर्यावरण कार्यकर्ता पिछले कुछ वर्षों से झाग से भरे पानी में खड़ी होकर छठ मनाती महिलाओं की तस्वीरें सामने आने के बाद दिल्ली सरकार की आलोचना करते आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने पानी के लंबित बिलों पर एक माफी योजना की घोषणा करते हुए दिल्ली सचिवालय में कहा कि मौजूदा मलजल शोधन संयंत्र (एसटीपी) के उन्नयन, नये एसटीपी के लिए निविदाएं और नालों के अशोधित प्रवाह को रोकने के लिए ड्रोन मैपिंग के साथ सफाई एवं पुनरुद्धार का काम तेजी से जारी है। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि समय के साथ सरकार यमुना नदी को पूरी तरह से साफ कर देगी। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के लोग इस बार दिवाली के बाद छठ पर्व का भव्य आयोजन देखेंगे।

उन्होंने कहा, दिल्ली जल बोर्ड और जल संसाधन मंत्री कड़ी मेहनत कर रहे हैं। मैं आश्वस्त कर सकती हूं कि दिल्ली के लोगों को यमुना नदी में कोई झाग नहीं दिखेगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने यमुना नदी के दोनों किनारों और शहर के अन्य स्थानों पर छठ का भव्य आयोजन करने की योजना बनाई है।

दीपोत्सव 2025 : अयोध्या में पांच देशों के कलाकार करेंगे अंतरराष्ट्रीय रामलीला का भव्य मंचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। अयोध्या में दीपोत्सव के लिए तैयारियां चरम पर हैं और 56 घाटों और मंदिरों पर लाखों दीपों की रोशनी में इस साल पारंपरिक और आधुनिक सजावट और अंतरराष्ट्रीय कलाकारों का मंचन इस पावन नगरी की सांस्कृतिक विरासत को और भी समृद्ध करेगा।

एक बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार अयोध्या में एक अभूतपूर्व अंतरराष्ट्रीय रामलीला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें रूस, थाईलैंड, इंडोनेशिया, नेपाल और श्रीलंका के कलाकार मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की लीला का मंचन करेंगे। अंतरराष्ट्रीय कलाकारों की भागीदारी अयोध्या को न केवल धार्मिक बल्कि सांस्कृतिक पर्यटन का केंद्र भी बनाएगी। इस बार कुल 90 विदेशी कलाकार अयोध्या की पावन भूमि पर अपनी कला और सांस्कृतिक धरोहर के माध्यम से रामकथा को जीवंत रूप में पेश करेंगे। अयोध्या के राम कथा पार्क में इस वर्ष विभिन्न राज्यों की प्रसिद्ध रामलीलाओं का मंचन किया जाएगा। रूस से आए 15 कलाकार रामलीला के दौरान राम और सीता के स्वयंवर का दृश्य प्रस्तुत करेंगे। रूस के कलाकारों ने इस प्रस्तुति के लिए महीनों की तैयारी की है। थाईलैंड से आए 10 कलाकार रामलीला में शूर्पणखा और राम-लखन संघर्ष, मारीच से संघर्ष और राम-रावण युद्ध का मंचन करेंगे। थाईलैंड के कलाकारों की पारंपरिक नृत्य-नाट्य शैली इस प्रस्तुति को और भी जीवंत बनाएगी। इंडोनेशिया के 10 कलाकार रामलीला में लंका दहन और अयोध्या वापसी के दृश्य को अद्भुत ढंग से प्रस्तुत करेंगे।

बयान के अनुसार, नेपाल से आए 33 कलाकार इस बार रामलीला में पहली बार लक्ष्मण पर शक्ति प्रदर्शन प्रस्तुत करेंगे। इससे पहले नेपाल की रामलीला मुख्य रूप से मां सीता पर केंद्रित होती थी। श्रीलंका के 22 कलाकार में से दो कलाकार पहले ही अयोध्या पहुंच चुके हैं। यह टीम रामेश्वर की भूमि पर रावणेश्वरा का दृश्य प्रस्तुत करेगी। श्रीलंका वासी आज भी रावण को ईश्वर की भूमिका में मानते हैं और इस भाव को मंच पर जीवंत रूप से दिखाया जाएगा। अयोध्या अंतरराष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान के संस्थान के सलाहकार और विशेष कार्याधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय रामलीला 17 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक चलेगी। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य न केवल रामलीला की परंपरा को जीवंत रखना है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संस्कृति और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को विश्व स्तर पर प्रदर्शित करना है।

अयोध्या के 56 घाटों और मंदिरों में लाखों दीपों की रोशनी में यह रामलीला देखने वालों के लिए अविस्मरणीय अनुभव बनेगी। सूत्रों के अनुसार, इस साल अंतरराष्ट्रीय कलाकारों का मंचन, पारंपरिक भारतीय वेशभूषा, लाइटिंग और सेट डिजाइन, सभी दर्शकों के लिए एक यादगार अनुभव होगा।

तस्करी कर गोवा ले जाए जा रहे 13 बच्चों को झारखंड में एक ट्रेन से बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड में एक ट्रेन से एक लड़की सहित 13 बच्चों को बचाया गया, जिन्हें कथित तौर पर तस्करी कर गोवा ले जाया जा रहा था। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि सोमवार शाम को खुफिया जानकारी मिली थी कि वास्को डि गामा (वीएसजी) 'वीकली एक्सप्रेस ट्रेन' के जरिए कुछ बच्चों की तस्करी की जा रही है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवान मुरी स्टेशन पर ट्रेन में चढ़े।

आरपीएफ के एक अधिकारी ने बताया, ''ट्रेन के रांची स्टेशन पर पहुंचने तक सुरक्षाकर्मियों ने बच्चों पर नजर रखी, जहां से उन्हें बचा लिया गया। बच्चों की उम्र 12 से 17 साल के बीच थी और उनमें से ज्यादातर जसीडीह जंक्शन से ट्रेन में चढ़े थे।'' उन्होंने कहा, ''जब हमने उनसे पूछा कि वे कहां जा रहे हैं और उनके साथ कौन है, तो उन्होंने ठीक से जवाब नहीं दिया। उन्हें पता नहीं था कि वे गोवा क्यों जा रहे हैं। उन्होंने बस इतना कहा कि उन्हें गोवा पहुंचना है, जहां उन्हें कुछ काम मिल जाएगा।''

उन्होंने बताया कि इसके बाद बच्चों को 'चाइल्ड लाइन' के अधिकारियों को सौंपा गया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में जीआरपी रांची में मामला दर्ज कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को एक अन्य अभियान में रांची स्टेशन पर तीन आदिवासी लड़कों को बचाया गया। उन्हें तस्करी करके अगरतला ले जाया जा रहा था।

उन्होंने बताया कि असुर जनजाति के इन लड़कों को अगरतला में एक मिल में काम करने के लिए भेजा जा रहा था। मामले में आरोपी जगतपाल उरांव को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उसने पुलिस को बताया कि बच्चों को गुमला से रांची लाने के लिए उसे 5,000 रुपये दिए गए थे।

दुर्गापुर सामूहिक बलात्कार : पांच गिरफ्तार आरोपियों, पीड़िता के दोस्त को घटनास्थल ले गई पुलिस

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल पुलिस दुर्गापुर में एक मेडिकल छात्रा से सामूहिक बलात्कार के सिलसिले में घटना के तार जोड़ने के लिए गिरफ्तार किए गए पांच आरोपियों और पीड़िता के दोस्त को मंगलवार को अपराध स्थल पर ले गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। गिरफ्तार किए गए लोगों को परानागंज काली बाड़ी श्मशान घाट से सटे जंगल में स्थित अपराध स्थल पर ले जाया गया और उनसे शुक्रवार रात को वहां हुए कथित अपराध के समय अपनी-अपनी भूमिकाओं का ''नाट्य रूपांतरण'' करने को कहा गया। जांच दल में शामिल पुलिस अधिकारी ने बताया, आरोपी और पीड़िता का दोस्त शुक्रवार रात उसके साथ थे। उन्हें अपराध का नाट्य रूपांतरण करने के लिए घटनास्थल पर ले जाया गया। पूरे नाट्य रूपांतरण की वीडियोग्राफी की जाएगी और फिर उनके बयानों से मिलान किया जाएगा। हम पीड़िता के बयान से भी इसकी पुष्टि करेंगे। अपराध के नाट्य रूपांतरण के लिए आने से पहले जांच अधिकारियों ने पीड़िता के दोस्त से लगभग एक घंटे तक पूछताछ की।

राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद मणिपुर की कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार हुआ : बीरेन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार हुआ है। वह दिल्ली से लौटने के बाद इंफाल हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात कर रहे थे। सिंह 25 विधायकों के साथ दिल्ली में एक सप्ताह से अधिक समय से डेरा डाले हुए थे।

यह पूछे जाने पर कि क्या राज्य में सरकार गठन के बारे में कोई निर्णय लिया गया, सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राष्ट्रीय पार्टी है, इसलिए ऐसे निर्णय राष्ट्रीय स्तर पर लिए जाएंगे। दिल्ली जाने से पहले सिंह ने कहा था कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के लिए समय लेने जा रहे हैं, ताकि उन्हें राज्य से संबंधित विभिन्न मुद्दों के अलावा सरकार के गठन के बारे में जानकारी दी जा सके। उन्होंने कहा, सभी को याद रखना

चाहिए कि भाजपा राष्ट्रीय पार्टी है, क्षेत्रीय पार्टी नहीं। यहां फैसले नहीं लिए जा सकते। हमें उच्च स्तर पर जाना होगा और फैसले राष्ट्रीय स्तर पर लिए जाएंगे। हमारे जो भी मुद्दे हैं, चाहे वह आईडीपी के हों, राजमार्ग के संबंध में हों या फिर लोकप्रिय सरकार का मुद्दा हो, हम केंद्रीय नेतृत्व के सामने लोगों की राय रख रहे हैं। भाजपा राष्ट्रीय पार्टी है और मणिपुर भारत में है। किसी भी चीज़ के लिए हमें केंद्र से संपर्क करना होगा। सिंह ने कहा कि राष्ट्रपति शासन तब लगाया जाता है, जब कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ जाती है, और मणिपुर में ऐसी स्थिति 11 बार देखी जा चुकी है तथा कुछ मामलों में तो बहुमत वाली सरकार के रहते भी। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार हुआ है। भाजपा नेता ने कहा कि केंद्र को मौजूदा स्थिति के बारे में मणिपुर के लोगों के विचारों से अवगत करा दिया गया है। उन्होंने कहा, अब केंद्र को फैसला लेना है। सभी समुदायों के प्रतिनिधि केंद्रीय गृह मंत्रालय से भी बातचीत कर रहे हैं। राज्य में निश्चित रूप से लोकप्रिय सरकार बननी है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, एक पार्टी पहले लगातार कहती थी कि सरकार को हटाया जाना चाहिए। अब वे विधानसभा भंग करने की मांग कर रहे हैं। हम वह नहीं करने जा रहे, जो वह पार्टी चाहती है। हम वही करेंगे, जो जनता चाहती है। राज्य में फरवरी में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था, जब मेइती और कुकी लोगों के बीच जातीय संघर्षों से निपटने के सरकार के तरीके की आलोचना के बीच सिंह ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। मई 2023 में शुरू हुई हिंसा में 260 से ज़्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हज़ारों लोग बेघर हो गए हैं।

अयोध्या दीपोत्सव : स्थापित किए जाएंगे 15 अस्थायी अस्पताल

अयोध्या/भाषा। अयोध्या में आयोजित होने जा रहे भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिये 15 अस्थायी अस्पताल स्थापित किये जाएंगे और पूरे मेला क्षेत्र में 10 प्रमुख स्थानों पर चौबीसों घंटे एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध रहेगी। अयोध्या के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुशील कुमार बानियान ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विशेष निर्देशों के तहत दीपोत्सव की तैयारियां युद्धस्तर पर की जा रही हैं। यह दीपोत्सव का नौवां संस्करण होगा। उन्होंने बताया कि इस आयोजन के दौरान प्रत्येक व्यक्ति के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी और स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में पूरी सतर्कता बरती जाएगी।

बानियान ने कहा, सभी अस्पतालों में आवश्यक दवाइयां, पैरामेडिकल स्टाफ और विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध होंगे। बानियान ने बताया कि इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान आपातकालीन तैयारी सुनिश्चित करने के लिए तीन प्रमुख अस्पतालों में 50 बिस्तर आरक्षित किये गये हैं। इनमें अयोध्या नगर स्थित स्वायत्त राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज में 20 बिस्तर, अयोध्या जिला अस्पताल में 20 बिस्तर और अयोध्या के श्री राम अस्पताल में 10 बिस्तर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन सुविधाओं के अलावा पूरे समारोह के दौरान श्रद्धालुओं और आगंतुकों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए विभिन्न प्रमुख स्थानों पर 15 अस्थायी प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र स्थापित किये जा रहे हैं।

सितंबर में रत्न एवं आभूषण निर्यात 6.5 प्रतिशत बढ़कर 2.9 अरब डॉलर पर

मुंबई/भाषा। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने मंगलवार को कहा कि त्योहारी और शादी-ब्याह के मौसम में मांग बढ़ने के कारण वैश्विक चुनौतियों के बावजूद सितंबर में कुल रत्न एवं आभूषण निर्यात 6.55 प्रतिशत बढ़कर 2,914.29 करोड़ डॉलर (25,737.50 करोड़ रुपये) का हो गया।

जीजेईपीसी ने एक बयान में कहा कि सितंबर, 2024 में रत्न एवं आभूषण निर्यात 2,735.26 करोड़ डॉलर (22,925.81 करोड़ रुपये) का रहा था। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में, कुल रत्न एवं आभूषण निर्यात में 3.66 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और यह पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 13.60 अरब डॉलर की तुलना में 14.09 अरब डॉलर पर पहुंच गया। जीजेईपीसी के चेयरमैन किरीट भंसाली ने कहा, इस वित्त वर्ष की पहली छमाही में उद्योग में सुधार के उत्साहजनक संकेत दिखाई दे रहे हैं। संयुक्त अरब अमीरात, हांगकांग और ब्रिटेन जैसे प्रमुख बाजारों में रत्न एवं आभूषण उत्पादों की मांग मजबूत हुई है और निर्यात में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है।

प्रवासी भारतीयों के बीच आगामी त्योहारी और शादी-ब्याह के मौसम के साथ-साथ वैश्विक बाजारों में छुट्टियों के मौसम की मांग से आने वाली तिमाही में इस सकारात्मक गति के बने रहने की उम्मीद है।'' हालांकि, जीजेईपीसी के आंकड़ों के अनुसार, भारतीय रत्न एवं आभूषण निर्यात के लिए एक प्रमुख गंतव्य 'अमेरिका' को शुल्क संबंधी कारकों के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

सरकार अयोध्या में 'ब्लैक कैट' कमांडो बल एनएसजी का केंद्र स्थापित करेगी : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मानेसर (हरियाणा)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि सरकार उत्तर प्रदेश के अयोध्या में ब्लैक कैट' कमांडो बल एनएसजी का एक और क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करेगी। मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद और गांधीनगर के मौजूदा केंद्रों के बाद यह राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) का छठा क्षेत्रीय केंद्र होगा। एनएसजी की जम्मू में 'टास्क फोर्स' नामक एक छोटी इकाई भी है।

देश के विभिन्न भागों में एनएसजी केंद्र इसके कमांडो को किसी भी आपात स्थिति में तुरंत और प्रभावी ढंग से पहुंचने में मदद करते हैं। आतंकवाद रोधी कमांडो बल के 41वें स्थापना दिवस पर यहां उसके मुख्यालय में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि मोदी सरकार आने वाले दिनों में एनएसजी की कार्यप्रणाली में बड़ा बदलाव लाने वाली है।

उन्होंने कहा, ''अब तक मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद और अहमदाबाद (गांधीनगर) में एनएसजी के पांच केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। इसके अलावा अयोध्या में भी एक नया केंद्र स्थापित किया जा रहा है। यहां एनएसजी के जवान चौबीसों घंटे तैनात रहेंगे।''

सरकार ने 30 जून और एक जुलाई 2009 को मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद और कोलकाता में एनएसजी के चार क्षेत्रीय केंद्रों का संचालन शुरू किया था। इन केंद्रों की स्थापना का निर्णय 2008 के 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद लिया गया था, ताकि विशिष्ट कमांडो को हमले वाली जगह पर पहुंचने में लगने वाला समय घटाया जा सके।

इससे पहले, एनएसजी कमांडो को दिल्ली से हवाई मार्ग से लाना पड़ता था, जिससे देरी होती थी। मार्च 2011 में केंद्र सरकार ने गांधीनगर में एक और एनएसजी क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने की मंजूरी दी थी।

एनएसजी की ये इकाइयां लंबे समय तक चलने वाले, उच्च जोखिम वाले आतंकवाद रोधी अभियानों के लिए एक 'विशेष बैकअप' बल के रूप में कार्य करती हैं। ये केंद्र एनएसजी कमांडो की पेशेवर कुशलता को निखारने में मदद करते हैं और राज्यों के प्रथम प्रतिक्रिया बलों, पुलिस बलों की क्षमता निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। एनएसजी का गठन 1984 में हुआ और यह एक विश्वस्तरीय बल है जिसके अभियान में चूक नहीं होती और यह बेहद कम समय में किसी भी प्रकार के हमले का मुकाबला कर सकता है। एनएसजी में भारतीय सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवान शामिल हैं। इसकी जिम्मेदारी आतंकवादी हमलों, अपहरण के प्रयासों का मुकाबला करने और निकट सुरक्षा प्रदान करने की है।

दिल्ली में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में 2.5% की कमी, घातक दुर्घटनाएं भी कम हुईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में सितंबर 2025 तक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2.5 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि घातक सड़क दुर्घटनाओं में 2.9 प्रतिशत की गिरावट आई है। दिल्ली यातायात पुलिस द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गयी है। पुलिस ने इस निरंतर गिरावट का श्रेय लगातार और व्यवस्थित प्रयासों को दिया, जिसमें डेटा-आधारित, साक्ष्य-आधारित हस्तक्षेप और सड़क अवसंरचना में सुधार शामिल थे। पुलिस आंकड़ों के अनुसार, सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या पिछले वर्ष 1,178 से घटकर 1,149 रही, जबकि इसी अवधि के दौरान घातक दुर्घटनाओं की संख्या 1,148 से घटकर 1,115 रह गई।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली यातायात पुलिस ने सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया है, जिसमें दुर्घटना के आंकड़ों का विश्लेषण, जोखिम कारकों की पहचान और इंजीनियरिंग बदलाव की सिफारिश करना शामिल है। विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) अजय चौधरी ने कहा, सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में लगातार कमी जोखिम कारकों को लक्षित करने और उच्च जोखिम वाले स्थानों पर जीवन रक्षक उपायों की सिफारिश करने का प्रत्यक्ष परिणाम है। दिल्ली यातायात पुलिस सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस ने बताया कि उसका दुर्घटना शोध प्रकोष्ठ घातक दुर्घटनाओं का विश्लेषण करता है और ब्लैकस्पॉट', यानी बार-बार होने वाली

दुर्घटनाओं के संभावित स्थानों की पहचान करता है। इसके बाद, ट्रैफिक पुलिस इंजीनियरिंग प्रकोष्ठ इन स्थलों का दौरा करके डिजाइन में सुधार और अन्य सुरक्षा उपाय सुझाता है। दिल्ली सड़क दुर्घटना रिपोर्ट, जिसे पहले दिल्ली में दुर्घटना रिपोर्ट कहा जाता था, का नाम बदलकर अब इसे 'क्रैश' रिपोर्ट किया गया है। यह बदलाव वैश्विक दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करने के लिए किया गया है, जिसमें यह माना जाता है कि इस प्रकार की घटनाएं अनिवार्य रूप से घटित होने वाली नहीं हैं बल्कि इन्हें रोका जा सकता है। इस वर्ष, यातायात पुलिस ने शहर भर में 143 उच्च जोखिम वाले स्थानों की पहचान की और सुरक्षित सड़क डिजाइन, बेहतर संकेत और सड़क मरम्मत की सिफारिश की। इसने स्कूलों, कॉलेजों और अस्पतालों के निकट 30 से अधिक स्थानों पर गति नियंत्रण के उपाय भी प्रस्तावित किए हैं, जिनमें नए स्पीड ब्रेकर और सुरक्षित पैदल यात्री पार पथ शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों के सहयोग से 3,600 से अधिक यातायात कर्मियों को गति प्रबंधन और डेटा-आधारित प्रवर्तन तकनीकों में प्रशिक्षित किया गया है।

पूरण कुमार की मौत दलितों के सम्मान का मामला है, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री तुरंत कार्रवाई करें : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि हरियाणा के पुलिस अधिकारी वाई पूरण कुमार की मौत एक परिवार के सम्मान का मामला नहीं है, बल्कि यह सभी दलितों के सम्मान का मामला है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मामले में तत्काल कार्रवाई करने को कहा और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों को गिरफ्तार करने की मांग की। पिछले हफ्ते चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर मृत पाए गए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के परिवार से मिलने के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि कुमार का मनोबल तोड़ने और उनके करियर को नुकसान पहुंचाने के लिए उनके साथ सुनियोजित भेदभाव किया जाता रहा।

आईपीएस अधिकारी के शरीर पर गोली लगने के निशान थे। उनकी

यह टिप्पणी राज्य सरकार द्वारा सोमवार देर रात राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शत्रुजीत कपूर को छुट्टी पर भेजे जाने के कुछ घंटों बाद आई है। इससे पहले सरकार ने रोहतक के पूर्व पुलिस अधीक्षक (एसपी) नरेंद्र बिजारणिया का तबादला कर दिया था। कुमार (52) ने कथित तौर पर आठ पन्नों का अंतिम नोट छोड़ा था जिसमें हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर और अब स्थानांतरित रोहतक एसपी नरेंद्र बिजारणिया सहित आठ वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों पर जाति-आधारित भेदभाव, लक्षित मानसिक उत्पीड़न, 'सार्वजनिक अपमान और अत्याचार' का आरोप लगाया गया है। गांधी सुबह कुमार की पत्नी एवं हरियाणा की वरिष्ठ नौकरशाह अमनीत पी. कुमार, उनकी दो बेटियों और परिवार के अन्य सदस्यों से मिलने चंडीगढ़ पहुंचे और अंतिम संस्कार पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''विपक्ष के नेता के तौर पर मेरा प्रधानमंत्री और हरियाणा के मुख्यमंत्री को संदेश है कि आपने इन दोनों बेटियों से जो वादा किया है उसे पूरा करें और उनके पिता का अंतिम संस्कार होने दें और यह तमाशा' बंद करें।'' परिवार ने अब तक पोस्टमार्टम की अनुमति नहीं दी है।

सुविचार

असफलता के डर को अपने सपनों के बीच की बाधा मत बनने दें, बल्कि उसे अपने सफल होने की प्रेरणा बनाएं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अन्नदाता को ऊर्जादाता बनाएं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईएआरआई में आयोजित कृषि कार्यक्रम में किसानों के साथ संवाद करते हुए सौर ऊर्जा और भूजल पुनर्भरण के बारे में जो सुझाव दिए, उनसे भविष्य में बहुत बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं। उन पर गंभीरता से काम करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने खेत की मेड़ पर सोलर पैनल लगाने का अनूठा विचार पेश किया है। प्राय: गांवों में मेड़ संबंधी विवाद बड़े झगड़े का रूप ले लेते हैं। पहले, इस स्थिति को टालने के लिए किसान मिट्टी की ऊंची मेड़ लगाते थे, जिसमें काफी समय लगता था और खूब मेहनत करनी पड़ती थी। इसमें जमीन का काफी हिस्सा दब जाता था, जो किसी काम नहीं आता था। उसके बाद तारबंदी का दौर आया, जो अब तक जारी है। इसके तहत किसान मेड़ की जगह कंटीले तार लगा देते हैं। इसमें भी काफी जगह दब जाती है। इसका एक फायदा यह होता है कि खेतों में आवारा पशु आसानी से नहीं घुस पाते, लेकिन कई बार हादसे हो जाते हैं। अगर किसान इस जगह सोलर पैनल लगवाने को प्राथमिकता दें तो इससे मेड़ संबंधी विवादों में कमी आएगी। साथ ही, किसानों की आमदनी बढ़ेगी। भारत में अन्न और ऊर्जा, दोनों की मांग बढ़ रही है। ऐसे में अन्नदाता को ऊर्जादाता बनाने का विचार क्रांतिकारी साबित हो सकता है। हमारे देश में साल के ज्यादातर महीनों में अच्छी धूप पड़ती है। जब प्रकृति हम पर इतनी मेहरबान है तो उसके वरदान का लाभ उठाना चाहिए। सोचिए, अगर भारत में खेतों की मेड़ों पर सोलर पैनल लगे होते तो अब तक कितनी बिजली बनती और देश ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में दुनिया के अन्य देशों से कितना आगे होता!

खेत की मेड़ पर ये पैनल लगवाने से एक ओर जहां कृषि योग्य भूमि ज्यादा बचेगी, वहीं किसानों की क्रय क्षमता बढ़ने से ग्रामीण क्षेत्रों में मांग बढ़ेगी। इससे रोजगार के अनेक अवसरों का सृजन होगा और अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। हालांकि शुरुआती निवेश एक बड़ी चुनौती है। अगर किसानों को ज्यादा सब्सिडी मिले और सरकार उन्हें प्रोत्साहित करे तो अगले एक दशक में ही ऊर्जा परिदृश्य पूरी तरह बदल सकता है। यह अनूठा विचार युवाओं को खेती से जोड़ने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। प्राय: किसान अपने बच्चों को इसलिए खेती से दूर रखना चाहते हैं, क्योंकि इसमें आमदनी को लेकर निश्चितता कम है। अगर जमीन अच्छी है, लेकिन खाद-बीज की गुणवत्ता अच्छी नहीं है तो पूरी मेहनत पर पानी फिर जाएगा। अगर सबकुछ अच्छा है, लेकिन फसल कटाई के समय बेमौसम बारिश हो गई तो भारी नुकसान हो जाएगा। अगर किसान इससे भी सुरक्षित रहा तो उपज की वाजिब कीमत मिलने में दिक्कत आती है। पर्याप्त संख्या में सोलर पैनल लगवाने से किसान के लिए खेती फायदे का सौदा बन सकती है। हर महीने बैंक खाते में रुपए आएंगे तो उसे यह उम्मीद रहेगी कि किसी भी स्थिति में मेरा हाथ खाली नहीं रहेगा। अगर उपज अच्छी हो, उसकी वाजिब कीमत मिले और सोलर पैनलों से अच्छी कमाई हो जाए तो किसान समृद्ध हो सकता है। इसके साथ ही भूजल पुनर्भरण की ओर ध्यान देना चाहिए, ताकि भविष्य में सिंचाई के लिए पानी की कमी न हो। आज देश के कई इलाकों में भूजल का स्तर बहुत नीचे चला गया है। इससे खेती चौपट हो रही है। खेती के लिए धरती से जितना पानी लें, उतना पुनर्भरण कर दें तो भूजल का संतुलन बना रहेगा। इससे किसान आत्मनिर्भर बनेगा और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण होगा।

ट्वीटर टॉक

संसद भवन परिसर में होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान, कोटा डिवीजन के सदस्यों से संवाद कर हाड़ौती अंचल में पर्यटन की संभावनाओं पर विचार साझा किए। भारत विविधताओं की धरती है, यहाँ की भौगोलिक, सांस्कृतिक, भाषाई और धार्मिक विविधता ही इसकी आत्मा है।

-ओम बिरला

राजस्थान में बालिका शिक्षा, सशक्तिकरण और सुरक्षा के लिए हमने अनेक पहलें कीं: 'राजश्री योजना' के माध्यम से बेटियों के जन्म से लेकर उनकी शिक्षा तक आर्थिक सहायता तथा 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' के संदेश को घर-घर तक पहुंचाया।

-वसुंधरा राजे

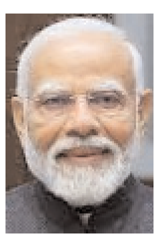

अपने किसान, पशुपालक और मछुआरा भाई-बहनों के कल्याण के लिए हम दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। इसी दिशा में आज दिल्ली से हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास मेरे लिए गर्व का क्षण है।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

पाप की बिक्री

एक बार कवि कालिदास बाजार में घूमने निकले। वहां उन्होंने एक स्त्री को एक घड़ा और कुछ कटोरियां लिए ग्रहकों के इंतजार में बैठे देखा। कालिदास यह देखकर परेशानी में पड़ गए। वह उस स्त्री के पास गए। उन्होंने वहां जाकर पूछा किबहन तुम क्या बेचती हो। उस स्त्री ने कहा मैं पाप बेचती हूं। मैं स्वयं लोगों से कहती हूं कि मेरे पास पाप हैं, मर्जी हो तो ले लो। लोग रुचि से ले जाते हैं। इस जबाव को सुनकर कालिदास उलझन में पढ़ गए। उन्होंने पूछा कि घड़े में कैसे पाप हो सकता है? स्त्री बोली, हां होता है, जरूर होता है। देखो , मेरे आठ घड़े में आठ पाप भरे हैं। बुद्धिमान, पागलपन, लड़ाई-झगड़े, बेहोशी, विवेक का नाश, सदगुण का नाश, सुखों का अंत औ नर्क में ले जाने वाला दुष्कर्म। और भी हैरानी में पड़ते हुए कालिदास ने पूछा, अरे बहन। इतने सारे पाप बताती हैं आप, तो आखिर इन घड़ों में है क्या? स्त्री बोली, शराब, वह शराब ही उन सभी पापों की जननी है। जो शराब पीता है, वह व्यक्ति इन आठ पापों का शिकार हो जाता है। कालिदास उस स्त्री की चतुराई को देखकर दंग रह गए।

सामयिक

महिलाओं को भी हृदय रोगों से सावचेत रहने की जरूरत

डॉ. नीलू तिवारी
मोबाइल : 94139 07005

हाल ही में पुरुषों की तरह महिलाओं में भी हार्ट अटैक की कई घटनाएं सामने आईं। न केवल शहरी क्षेत्रों में, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को भी दिल के दौरे पड़े। हालांकि शहरी क्षेत्रों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में हार्ट अटैक की दर कम रही। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में हर साल करीब 1.8 करोड़ लोग हृदय रोगों से मरते हैं, जिनमें लगभग 47 प्रतिशत महिलाएं होती हैं। भारत की स्थिति इससे भी गंभीर है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के अनुसार, देश में हर साल लगभग 30 लाख महिलाएं हृदय संबंधी बीमारियों का शिकार होती हैं। इनमें से करीब 35 प्रतिशत की मृत्यु समय पर इलाज न मिलने के कारण हो जाती है। यह आंकड़े साबित करते हैं कि महिलाओं की हृदय स्थिति केवल एक चिकित्सीय विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा का महत्वपूर्ण पहलू है।

ग्रामीण महिलाओं की हृदय स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। वे दिनभर खेतों, पशुपालन और घरेलू कार्यों में लगी रहती हैं, जिससे शारीरिक श्रम तो बहुत होता है, लेकिन उचित पोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं की भारी कमी रहती है। आईसीएमआर के एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों की 60 प्रतिशत महिलाएं आयरन और प्रोटीन की कमी से ग्रस्त हैं। यह पोषण की कमी सीधे हृदय की कार्यप्रणाली को प्रभावित करती है और दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ाती है। इसके अलावा, गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, अस्पतालों की दूरी और जागरुकता का अभाव इस समस्या को और गहरा बना देता है। कई बार महिलाएं छाती में दर्द या धड़कन की अनियमितता को साधारण कमजोरी समझकर

नजरअंदाज कर देती हैं और जब तक इलाज कराती हैं, तब तक स्थिति बहुत गंभीर हो चुकी होती है।

वहीं दूसरी ओर, शहरी महिलाओं की स्थिति अलग समस्याओं से भरी है। उन्हें आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं तो उपलब्ध हैं, लेकिन उनकी जीवनशैली हृदय रोग का सबसे बड़ा कारण बन रही है। फास्ट फूड का बढ़ता सेवन, व्यायाम की कमी, देर रात तक जागने और अत्यधिक तनाव की आदतें शहरी महिलाओं को हृदय रोग की ओर धकेल रही हैं। भारतीय हृदय संघ की हालिया जारी रिपोर्ट के अनुसार, 40 प्रतिशत शहरी महिलाएं उच्च रक्तचाप और मोटापे की शिकार हैं, जो हार्ट अटैक का सीधा कारण है। इसके अलावा, नौकरी और परिवार की दोहरी जिम्मेदारी मानसिक दबाव को और बढ़ाती है, जिससे उनका हृदय जोखिम में रहता है।

ग्रामीण और शहरी महिलाओं की परिस्थितियां अलग हैं, लेकिन एक समानता दोनों में देखी जाती है कि वे अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं देतीं। यह विषय आज इसलिए प्रासंगिक है, क्योंकि महिलाओं की हृदय स्थिति केवल उनका व्यक्तिगत स्वास्थ्य नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज की सेहत से जुड़ी है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और जागरुकता अभियान चलाने की जरूरत है, वहीं शहरी महिलाओं को संतुलित आहार, योग, व्यायाम और तनावमुक्त जीवन अपनाने की दिशा में प्रेरित करना होगा। ग्रामीण महिलाएं पोषण और इलाज की कमी से जूझ रही हैं, जबकि शहरी महिलाएं जीवनशैली और तनाव की वजह से प्रभावित हैं। दोनों ही वर्गों में यह मानसिकता गहरी है कि परिवार पहले और स्वयं बाद में, जिसके कारण उनकी बीमारियां देर से पहचान में आती हैं और इलाज में भी देरी होती है। असल में देश में महिलाओं में भी हृदय रोग की स्थिति गंभीर होती जा रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, महिलाओं में मोटापा, उच्च रक्तचाप और उच्च रक्त शर्करा जैसे जोखिम बढ़ रहे हैं। विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों की महिलाओं में इन जोखिम कारकों की दर अधिक पाई गई है। इधर, 12,000 से अधिक महिलाओं के लिए मुफ्त ईसीजी स्क्रीनिंग आयोजित की गई है। यह पहल विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में महिलाओं के बीच हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए की गई थी। इस अभियान के माध्यम से महिलाओं को हृदय रोगों के जोखिमों और उनकी रोकथाम के उपायों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। वहीं झारखंड सरकार ने स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान की शुरुआत की है, जो विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं के लिए है। इस अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविरों, पोषण समर्थन, स्वच्छता शिक्षा और मातृ देखभाल के माध्यम से महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति में सुधार लाने का प्रयास किया जा रहा है। यह पहल महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और उन्हें परिवार और समुदाय में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करती है।

महिलाएं भारतीय समाज की आधारशिला हैं। वे परिवार की नींव होती हैं, उनका स्वस्थ रहना पूरे समाज के लिए आवश्यक है, लेकिन जब बात उनके स्वास्थ्य विशेषकर हृदय स्वास्थ्य की आती है, तो वे अक्सर उपेक्षा का शिकार होती हैं। यह केवल स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि सामाजिक जागरुकता का भी विषय है। बदलती जीवनशैली, तनाव और असंतुलित आहार के कारण ग्रामीण और शहरी महिलाओं अलग-अलग चुनौतियों का सामना करती हैं। इसलिए इस विषय पर ध्यान देना आज के समय की जरूरत है। महिलाओं की हृदय स्थिति आज समाज के लिए एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बन चुकी है। पहले यह माना जाता था कि हृदय रोग मुख्य रूप से पुरुषों की समस्या है, लेकिन अब यह धारणा बदल चुकी है।

हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. कुशमेंद्र पाराशर का कहना है कि महिलाओं में हृदय रोग को रोकने और नियंत्रित करने के लिए जीवनशैली में सुधार सबसे महत्वपूर्ण कदम है। इसके लिए संतुलित आहार अपनाना आवश्यक है, जिसमें फल, सब्जियां, ओमेगा-3 और कम वसा वाले प्रोटीन शामिल हों, जबकि जंक फूड, तली-भुनी चीजें और अत्यधिक मीठा कम किया जाए। नियमित व्यायाम जैसे तेज चलना, योग, साइकिल चलाना या हल्की दौड़ हृदय और रक्त संचार को मजबूत बनाता है और मोटापे तथा उच्च रक्तचाप जैसी समस्याओं से बचाव करता है। वहीं मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन भी हृदय रोग के निवारण में महत्वपूर्ण हैं। ध्यान, प्राणायाम और पर्याप्त नींद महिलाओं के हृदय पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को कम करते हैं। एक्सपर्ट कहते हैं कि महिलाओं को समय-समय पर ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल और ईसीजी जैसी जांच कराते रहनी चाहिए। इसके साथ ही सरकारी योजनाएं जैसे प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और महिला स्वास्थ्य शिविर, हृदय रोग के निवारण और जागरुकता बढ़ाने में सहायक हैं। यदि महिलाएं अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें, जीवनशैली सुधारें और नियमित जांच कराएं तो वे न केवल स्वयं स्वस्थ रहेंगी, बल्कि अपने परिवार और समाज को भी सशक्त बना सकेंगी। वहीं परिवार के पुरुषों को भी महिला स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और गंभीर रहना होगा। उन्हें महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति यह ध्यान दिलाते रहना चाहिए कि उन्हें अपना भी ख्याल रखना होगा। परिवार में दोनों का स्वस्थ रहना जरूरी है, तभी खुशहाल देश, समाज और परिवार का निर्माण हो सकेगा।

मंथन

शिक्षा, भाषा और संस्कृति देश की समृद्धि का पैमाना

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 90094 15415

शिक्षा सदैव समाज, संस्कृति और सभ्यताओं के साथ परिवर्तनशील और प्रगतिशील रही है। यह न केवल व्यक्तिगत उन्नति का माध्यम है, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास की आधारशिला भी है। शिक्षा, ज्ञान, कला, साहित्य और संस्कृति को देश-विदेश की सीमाओं में बाँधना संभव नहीं है। यह असीमित भंडार है, जिसमें आकाशीय ऊँचाइयाँ भी शामिल हैं। न केवल इसकी गहराई को नापा जा सकता है, न ही इसकी ऊँचाई को देखा जा सकता है। शिक्षा और ज्ञान की यह विशालता मानव जीवन में अनंत संभावनाओं के द्वार खोलती है।

पूर्वी सभ्यता, विशेषकर भारतीय परंपरा, जहाँ अध्यात्म, वेद, पुराण और योग पर आधारित है, वहाँ पश्चिमी सभ्यता विज्ञान, तकनीकी नवाचार और अनछुई रहस्यमय खोजों पर आधारित है। इन दोनों सभ्यताओं ने अपने-अपने क्षेत्र में मानव जीवन को बदलने वाले अनमोल योगदान दिए हैं। उदाहरण स्वरूप, पश्चिमी विज्ञान ने मानव को चंद्रमा पर पहुँचने का अवसर दिया और आधुनिक तकनीक जैसे हवाई जहाज, इंजन, रेडियो और डिजिटल तकनीक से जीवन को सरल और उन्नत बनाया। वहीं, भारतीय ज्ञान और दर्शन ने योग, आयुर्वेद, ध्यान और जीवन मूल्यों के माध्यम से मानव जीवन में शांति, संतुलन और आत्मसाक्षात्कार की दिशा प्रदान की। इस प्रकार शिक्षा, भाषा और ज्ञान ने पूर्व और पश्चिम के बीच समन्वय स्थापित किया। पश्चिम ने भारतीय दर्शन, आयुर्वेद और योग को अपनाकर अपनी जीवनशैली में संतुलन पाया, और भारत ने पश्चिम के विज्ञान और तकनीकी ज्ञान को अपनाकर विकास की नई ऊँचाइयों को छुआ। शिक्षा और भाषा सदैव अज्ञानता के तमस में प्रकाश की तरह कार्य करती रही है। यह नवजीवन की विकास धारा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और समाज में सतत प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है।

भारतीय संस्कृति और दर्शन में जैन, बौद्ध, नव्य वेदांत और आधुनिक चिंतन ने समाज में नवयुग की कल्पना को साकार किया। वहीं पश्चिम के दार्शनिक और चिंतक जैसे प्लूटो, अरस्तु, सुकरात, कार्ल मार्क्स और लेनिन ने सामाजिक और राजनीतिक विकास के सिद्धांत प्रतिपादित किए, जिन्हें पूरी दुनिया ने अपनाया। इस प्रकार, दोनों सभ्यताओं में ज्ञान और विचारों का आदान-प्रदान निरंतर जारी रहा। भारतीय समाज में हमेशा सुधार और नवीन युक्तियों को अपनाने की क्षमता रही है।

स्वतंत्रता पूर्व और स्वतंत्रता पश्चात राजनीति और समाज में हुए परिवर्तन इसका सजीव उदाहरण हैं। उदाहरण के लिए, गांधीजी ने सत्याग्रह और अहिंसा के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन को साकार किया, जबकि जवाहरलाल नेहरू ने विज्ञान और तकनीक के माध्यम से आधुनिक भारत की नींव रखी। सुभाष चंद्र बोस और बाल गंगाधर तिलक ने स्वतंत्रता संग्राम में नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की। इन सबके प्रयासों ने भारत को विश्व पटल पर एक नया स्वरूप और पहचान दी।

पाश्चात्य ज्ञान ने हमें अपने आडंबर, अंधविश्वास और रूढ़िवादिता पर विजय पाने में मदद की। उदाहरण के लिए, वास्तु, जन्मकुंडली और अंधविश्वास से जुड़े कई प्रचलित विश्वासों को आधुनिक विज्ञान और शिक्षा के माध्यम से समाज से दूर किया जा सका। यह स्पष्ट करता है कि शिक्षा और ज्ञान समाज में समग्र सुधार और नवप्रवर्तन के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं। हमारे दैनिक जीवन में भी शिक्षा, भाषा और ज्ञान हमें यह एहसास कराते हैं कि हम अभी भी कितने पीछे हैं और कितनी दूर तक सीखने की आवश्यकता है। ज्ञान का कोई अंतिम स्रोत नहीं होता; यह एक ऐसा समृद्ध भंडार है, जिसमें जितना भी सीखना संभव है, वह निरंतर बढ़ता रहता है। अतः हमें सदैव प्रयासरत रहना चाहिए कि हम पल-पल कुछ नया सीखें-हर व्यक्ति, हर समाज, और हर सभ्यता से।

शिक्षा, भाषा और ज्ञान ही हमें समृद्ध, विकसित और परिवर्तनशील बनाते हैं। परिवर्तनशील जीवन ही नई ऊर्जा, आशा और विकास की नींव रखता है। इस दृष्टि से देखा जाए तो हर मानव, हर समाज और हर राष्ट्र के लिए सीखने, अपनाने और नवाचार करने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती। यही कारण है कि शिक्षा और ज्ञान न केवल व्यक्तिगत उन्नति बल्कि समग्र मानवता के विकास के लिए अनिवार्य हैं।

नजरिया

सोना कितना सोना है, सोने जैसा तेरा मन

मनोज कुमार अग्रवाल
मोबाइल : 9219179431

सोना आम आदमी की पहुंच से बाहर हो चला है एक साल के भीतर पचास फीसद दाम बढोत्तरी किसी भी दूसरी जिंस में नही देखने को मिली है लेकिन इसके बावजूद सोने के दाम की दौड़ जारी है यह कहां जाकर रुकेगा अभी ताज़ा अनुमान डेढ़ लाख रुपए प्रति दस ग्राम का लगाया जा रहा है। आपको बता दें कि भारतीय जन जीवन में सोने के आभूषणों का चलन सदियों से चला आ रहा है। भारतीयों के लिए सोना निवेश का कोई सर्वमान्य समाधान नहीं है। सोना हमारे रीति, रिवाज और परंपराओं में रचा-बसा है। चाहे दीवाली-अक्षय तृतीया का पर्व हो, बेटी की विदाई का भावपूर्ण अवसर हो या बहू को शगुन में उपहार भेंट करने का शुभ मौका। जीवन में इन तमाम महत्वपूर्ण अवसरों पर हमारे संस्कार और खुशियां सोने के बिना पूर्ण नहीं होती हैं। ऐसे में त्यौहारों के मौके पर और त्योहारों के कुछ दिन बाद शुरू होने वाले शुभ-लग्न में महंगा होना बहुत परेशान करेगा। कुछ सट्टेबाजों, निवेशकों के लिए बेशक हर दिन महंगा होता सोना कमाई का मौका हो सकता है लेकिन आम भारतीयों के लिए यह गंभीर चिंता और परेशानी का सबक बन गया है।

त्योहारों और शादियों का मौसम है। बेटी की शादी होनी है, तो आप कुछ सोने के आभूषण बनवाने की सोच रहे होंगे, लेकिन बजट अनुमति नहीं देता, क्योंकि सोना आम आदमी के बजट से बाहर होता जा रहा है। दरअसल 10 ग्राम सोने के दाम 1.25 लाख रुपये तक पहुंच चुके हैं और चांदी भी 1.5 लाख रुपये के पार चली गई है। आम आदमी बेटी को सोना कैसे

दे पायेगा? वर्ल्ड गोल्ड कार्डोसल का मानना है कि सोने में अब भी उतना निवेश नहीं हो रहा, जितना होना चाहिए। वैश्विक निजी निवेश में सोने की हिस्सेदारी मात्र 1-2 फीसदी ही है, जबकि केंद्रीय बैंकों में सोने का रिजर्व 10-20 फीसदी के बीच रहा है। फिर भी यह दिलचस्प और हैरान करने वाला तथ्य है कि 2022 की दीपावली के बाद से सोने की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।

विशेषज्ञों का आकलन है कि 2026 की दीपावली तक सोने के दाम और बढ़ सकते हैं, क्योंकि बड़े निवेशक और दुनिया भर के केंद्रीय बैंक सोने में लगातार निवेश कर रहे हैं। चीन का पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना सितंबर में लगातार 11 वें महीने सोने का शुद्ध खरीददार रहा है। यह डॉलर पर निर्भरता कम करने की चीन की रणनीति का हिस्सा है। वर्ष 2025 में अभी तक घरेलू बाजार में सोने का रिटर्न करीब 60 फीसदी रहा है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह रिटर्न करीब 53 फीसदी रहा है। गोल्ड ईटीएफ में भी इस साल अभी तक 17 फीसदी निवेश बढ़ चुका है। सितंबर में गोल्ड इंटीएफ में 1.53 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जोकि एक माह में सबसे अधिक है। मौजूदा दौर में सोना इतना महंगा और अनिवार्य हो गया है कि देशों की अर्थव्यवस्था की बुनियाद है, लेकिन आम आदमी के लिए मुसीबत, परेशानी का प्रतीक बन गया है।

दरअसल सोने के दाम अमरीका से ही शुरू होते हैं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय कारोबार डॉलर में ही होता है। जनवरी, 2025 में जब ट्रंप ने अमरीकी राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी, तो सोना 2700 डॉलर प्रति आउंस था। उनके 8 माह के कार्यकाल में सोना महंगा ही होता गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ की बात शुरू की, तो देशों में अनिश्चितता फैलने लगी, नतीजतन सोना महंगा होता गया। देशों ने सोना खरीदना तेज किया, ताकि कमजोर होते डॉलर के विकल्प के रूप में सोने का भंडार हो। वैसे सोना पूर्व में भी महंगा और सस्ता होता आया है। वर्ष 1970-80 का दौर याद कीजिए, जब सोना कई गुना महंगा हो गया था और वित्तीय सलाहकारों ने सोना खरीदने की सलाह दी थी, लेकिन 1999 तक सोने के दाम अचानक ध्वस्त हुए, तो निवेश भी घटा।

वर्ष 1990-91 के दौर में भारत सरकार को सोना गिरवी रखना पड़ा था, ताकि सामान्य खर्च चलाए जा सकें। फिर उदारीकरण का दौर आया, सोना वापस ले लिया गया, भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर खुल गई। आज देश में सोने का भंडार बढ़ रहा है। रिजर्व बैंक के पास 880 मीट्रिक टन सोने का भंडार है। आरबीआई अपने फॉरेक्स एसेंट को डाईवर्सिफाई कर रहा है ताकि डॉलर का प्रभावी विकल्प मौजूद रहे। कई अन्य देशों के केन्द्रीय बैंक वही कर रहे हैं। ऐसा करने देशों की आर्थिक स्थिरता के लिए जरूरी हो सकता है, लेकिन यही वात आम आदमी के लिए बड़ा संकट बन गयी है। शादी-ब्याह में अब सोने का उपहार देना आम आदमी के बहुत कठिन हो गया है, लेकिन फिर भी हमारे नीति-रिवाज और संस्कार ऐसे हैं कि महंगे सोने को भी खरीदना पड़ेगा क्योंकि परंपराओं को निभाना भी जरूरी है। उधर जानकार लोगों का मानना है कि महंगाई के बावजूद सोना चलन में रहेगा हालांकि अधिक महंगाई के साथ ही मिलावट का भी सिलसिला बढेगा। आम आदमी सोने को खरीद पाएगा इसमे शंका उचित है फिर तो बस यही कहना होगा सोना कितना सोना है सोने जैसा तेरा मन..।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गाजा में युद्ध विराम के दौरान बंधकों के शवों को लेकर अनिश्चितताओं का दौर जारी

तेल अवीव/एपी। दो साल से चल रहे इजराइल-हमास युद्ध में मंगलवार को भी संघर्ष विराम कायम रहा, हालांकि कई जटिल मुद्दे अब भी अनसुलझे हैं। यह कदम गाजा में बंधक बनाए गए शेष 20 जीवित बंधकों की इजराइल वापसी और बदले में सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों की रिहाई पर व्यापक खुशी के एक दिन बाद उठाया गया है। तत्कालिक प्रश्नों की सूची में यह भी शामिल है कि हमास गाजा में मृत समझे जाने वाले 28 बंधकों के शव इजराइल को कब लौटाएगा, साथ ही रिहा किए गए बंधकों और कैदियों की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में भी सवाल पूछे जा रहे हैं।

मृत बंधकों में से केवल चार के शव ही सोमवार को इजराइली अधिकारियों को सौंपे गए- जिनकी रिहाई भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा किए गए युद्धविराम समझौते के पहले चरण का हिस्सा है। मंगलवार को इजराइली सेना ने उनमें से दो की पहचान - इजराइल के गाइ इलूज और नेपाल के छात्र बिपिन जोशी- के तौर पर की। गत सात अक्टूबर, 2023 को हुए हमले के दौरान जब हमास के नेतृत्व वाले आतंकवादियों ने उन दोनों को अगवा किया था, तब दोनों की उम्र 20 वर्ष के आसपास थी। इस हमले ने युद्ध को जन्म दिया था इलूज को नोवा संगीत समारोह से और जोशी को एक बम आश्रय स्थल से अगवा किया गया था।

इजराइल ने कहा कि इलूज की मौत उचित चिकित्सा उपचार के बिना बंदी बनाए जाने के दौरान हुए घावों के कारण हुई, जबकि जोशी की युद्ध के पहले महीनों में बंदी बनाकर हत्या कर दी गई थी। इजराइल कहा कि नेशनल सेंटर ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन मौत के अंतिम कारण के बारे में बाद में जानकारी देगा। मुक्त किये गये इजराइली बंधकों को मंगलवार को चिकित्सा देखभाल दी गयी तथा कुछ परिवारों ने कहा कि इन लोगों को घर जाने में कई सप्ताह लग जायेंगे। पश्चिमी तट और गाजा में जहां सैकड़ों कैदियों को रिहा किया गया, वहीं कई को अस्पताल भी ले जाया गया।

मैडॉक फिल्म्स ने श्रीराम राघवन की 'इक्कीस' से अगस्त्य नंदा की पहली झलक साझा की

मुंबई/भाषा। मैडॉक फिल्म्स ने मंगलवार को फिल्मकार श्रीराम राघवन की आने वाली फिल्म इक्कीस' से अभिनेता अगस्त्य नंदा की पहली झलक साझा की। स्टूडियो ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया मंच के माध्यम से बताया कि यह फिल्म परमवीर चक्र से सम्मानित अरुण खेत्रपाल के जीवन पर आधारित है और इस वर्ष दिसंबर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पोस्ट में लिखा गया, वो इक्कीस का था, इक्कीस का ही रहेगा। दिनेश विजन और मैडॉक फिल्म्स प्रस्तुत कर रहे हैं 'इक्कीस', परमवीर चक्र से सम्मानित सबसे युवा अधिकारी की एक सच्ची और अनकही कहानी। फिल्म दिसंबर 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मैडॉक फिल्म्स द्वारा जारी पोस्टर में अगस्त्य नंदा सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की भूमिका में दिखाई दे रहे हैं, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध में बसंतर की लड़ाई के दौरान 21 वर्ष की आयु में शहीद हुए थे। उनकी वीरता और बलिदान के लिए उन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था, जिससे वह उस वक्त भारत का सर्वोच्च सैन्य सम्मान प्राप्त करने वाले सबसे कम उम्र के अधिकारी बन गए। फिल्म में धर्मेंद्र, जयदीप अहलावत और सिकंदर खेर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म की घोषणा पहली बार 2019 में अरुण खेत्रपाल की 69वीं जयंती के अवसर पर की गई थी, जिसमें वरुण धवन को मुख्य भूमिका के लिए चुना गया था लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण शूटिंग टल गई और बाद में व्यस्तता के कारण वरुण इस परियोजना से अलग हो गए थे। 'इक्कीस' अगस्त्य नंदा की दूसरी बड़ी फिल्म है। उन्होंने वर्ष 2023 में जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था।

अनंत गोयनका होंगे फिक्की के अगले अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उद्योग मंडल फिक्की ने मंगलवार को आरपीजी समूह के वाइस चेयरमैन अनंत गोयनका को वर्ष 2025-26 के लिए अध्यक्ष नामित किए जाने की घोषणा की। फिक्की ने बयान में कहा कि फिलहाल संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष गोयनका अगले महीने के अंत में होने वाली वार्षिक आम बैठक के बाद हर्षवर्धन अग्रवाल की जगह अध्यक्ष पद संभालेंगे। आरपीजी समूह पांच अरब डॉलर का विविधीकृत समूह है। इसका कारोबार टायर, बुनियादी ढांचा, औषधि, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में फैला हुआ है। वह इसके पहले प्रमुख टायर विनिर्माता सिएट के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एमडी एवं सीईओ) रह चुके हैं। उन्होंने यूनिलीवर और केईसी इंटरनेशनल में भी काम किया है। उनके पास केलॉग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से एमबीए और यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिल्वेनिया के व्हार्टन स्कूल से बीएस (अर्थशास्त्र) की डिग्री है।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट

सेंसेक्स 297 अंक टूटा

पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 81.85 अंक यानी 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,145.50 पर हुआ बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 297 अंक टूट गया, जबकि एनएसई निफ्टी में 82 अंक का नुकसान रहा। एशिया तथा यूरोप के बाजारों में कमजोर रुख तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी के बीच घरेलू बाजार नुकसान में रहा। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स शुरुआती लाभ को बरकरार नहीं रख पाया और अंत में 297.07 अंक यानी 0.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 82,029.98 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 545.43 अंक तक लुढ़क गया था।

पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 81.85 अंक यानी 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,145.50 पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में बजाज फाइनेंस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एनटीपीसी, ट्रेंट, एशियन पेंट्स और एक्सिस बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, पावर ग्रिड, हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं। ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा, नए घरेलू संकेतों के अभाव में शेयर बाजारों में व्यापक स्तर पर मुनाफावसूली देखने को मिली। इसका कारण एशिया और यूरोपीय बाजारों से कमजोर संकेतों ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। अमेरिका-चीन व्यापार तनाव के फिर से बढ़ने से जोखिम से बचने का रुख बढ़ा है। इससे सोने और अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड जैसी सुरक्षित निवेश वाली संपत्तियों की ओर आकर्षण बढ़ा है...।''

एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिकी बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.82 प्रतिशत टूटकर 62.17 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

शेयर बाजार के के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 240.10 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। सेंसेक्स सोमवार को 173.77 अंक टूटा था जबकि निफ्टी में 58 अंक का नुकसान रहा था।

टाटा ट्रस्ट ने चंद्रशेखरन को टाटा संस के चेयरमैन का तीसरा कार्यकाल देने की अनुशंसा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंद्रशेखरन को टाटा संस के चेयरमैन का एक और कार्यकाल देने का फैसला ऐसे समय हुआ है जब टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी के बीच निदेशक मंडल में नियुक्तियों और परिचालन संबंधी मुद्दों पर चल रही है खींचतान

नई दिल्ली। टाटा ट्रस्ट ने टाटा समूह की कंपनियों की प्रवर्तक टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को लगातार तीसरा कार्यकाल देने की अनुशंसा की है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। चंद्रशेखरन को टाटा संस के चेयरमैन का एक और कार्यकाल देने का फैसला ऐसे समय हुआ है जब टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी के बीच निदेशक मंडल में नियुक्तियों और परिचालन संबंधी मुद्दों पर खींचतान चल रही है।

टाटा ट्रस्ट समूह से जुड़े कई परमार्थ ट्रस्टों का नियंत्रक संगठन है। इसके पास टाटा संस में करीब 66 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी है। हालांकि, यह नहीं पता चल पाया है कि टाटा ट्रस्ट ने यह सिफारिश किस तारीख को की है। इसके अलावा इस सिफारिश पर टाटा संस की प्रतिक्रिया के बारे में भी तुरंत जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाई है। पिछले सप्ताह टाटा ट्रस्ट के निदेशक मंडल की बैठक हुई थी, जिसमें रोजमर्रा के मुद्दों पर चर्चा हुई थी और विवादास्पद विषयों से दूरी रखी गई थी। इस आपसी मतभेद का असर टाटा संस और लगभग 180 अरब डॉलर के समूह की सामान्य कार्यप्रणाली पर पड़ने का खतरा है। एक सूत्र ने कहा, ''टाटा ट्रस्ट ने चंद्रशेखरन को तीसरा कार्यकाल दिए जाने की सिफारिश की है। इसे लागू करने का निर्णय टाटा संस के निदेशक मंडल का होगा।'' बहरहाल, इस संदर्भ में टाटा संस को भेजे गए ई-मेल का कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं मिल पाई है। अगर टाटा संस का निदेशक मंडल चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल को मंजूरी देता है, तो यह देखना होगा कि क्या वह कार्यकारी पद पर बने रहेंगे। दरअसल, टाटा समूह के आंतरिक नियमों के तहत 65 वर्ष की आयु पार करने पर कार्यकारी पद छोड़ना होता है। हालांकि, गैर-कार्यकारी पदों पर 70 वर्ष तक रहा जा सकता है। चंद्रशेखरन को अक्टूबर, 2016 में टाटा संस के निदेशक मंडल में शामिल किया गया था और वह जनवरी, 2017 में चेयरमैन नियुक्त किए गए थे। उन्होंने साइरस मिस्त्री को हटाए जाने के बाद फरवरी, 2017 में टाटा संस का चेयरमैन पद संभाला था। अपने पहले कार्यकाल में चंद्रशेखरन को मिस्त्री के साथ कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी थी जबकि दूसरे कार्यकाल में उन्होंने समूह के विमानन व्यवसाय का पुनर्निर्माण किया और एयर इंडिया का सफल अधिग्रहण किया।

त्योहारी मांग से सोना 1.3 लाख रुपये के नए उच्चतम स्तर पर, चांदी 1.85 लाख रुपये के पार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। 'धनतेरस' से पहले खुदरा विक्रेताओं और आभूषण विक्रेताओं की भारी त्योहारी खरीदारी के कारण मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 2,850 रुपये मजबूत होकर पहली बार 1.3 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गईं।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 2,850 रुपये बढ़कर 1,30,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जबकि पिछली सत्र में यह 1,27,950 रुपये पर बंद हुई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 2,850 रुपये बढ़कर 1,30,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,27,350 रुपये प्रति 10 ग्राम था। चांदी भी 6,000 रुपये के उछाल के साथ 1,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई, जो लगातार पांचवें दिन की बढ़त है। पिछले बाजार सत्र में यह 1,79,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। व्यापारियों ने सर्राफा कीमतों में तेज वृद्धि का श्रेय त्योहारी और शादी-ब्याह के मौसम से पहले आभूषण विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं की निरंतर मांग और साथ ही मंगलवार को डॉलर के मुकाबले रुपये में आई कमजोरी को भी दिया, जो 12 पैसे गिरकर 88.80 के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में, हाजिर सोना रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आया, लेकिन ऊंचा बना रहा। दिन में पहले 4,179.71 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर को छूने के बाद, यह 0.72 प्रतिशत बढ़कर 4,140.34 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। हाजिर चांदी भी 53.54 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर को छूने के बाद नीचे आई और 1.92 प्रतिशत की गिरावट के साथ 51.36 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई।

जेलेंस्की और ट्रंप के बीच मुलाक़ात से कुछ दिन पहले रूस ने किया यूक्रेनी अस्पताल पर हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। रूसी सेना ने यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव पर रातभर शक्तिशाली ग्लाइड बम और ड्रोन से हमला किया, जिसमें एक अस्पताल को निशाना बनाया गया। इसमें सात लोग घायल हो गए। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की वाशिंगटन जाने तथा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से और अधिक अमेरिकी सैन्य मदद मांगने की तैयारी कर रहे हैं।

क्षेत्रीय प्रमुख ओलेह सिनीहुबोव ने कहा कि यूक्रेन के उत्तर-पूर्व में खारकीव पर हुए हमले में शहर का मुख्य अस्पताल प्रभावित हुआ, जिससे 50 मरीजों को बाहर निकालना पड़ा। वहीं, जेलेंस्की ने कहा कि हमले का मुख्य लक्ष्य ऊर्जा प्रतिष्ठान थे। हालांकि, उन्होंने हमलों का ब्योरा नहीं दिया। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर कहा, हर दिन, हर रात, रूस बिजली संयंत्रों, बिजली लाइनों और हमारी (प्राकृतिक) गैस सुविधाओं पर हमला करता है।''

यूक्रेनी नेता ने विभिन्न देशों से आग्रह किया कि वे रूस के लंबी दूरी के हमलों को रोकने में मदद करें और इसके लिए वे यूक्रेन को अधिक वायु रक्षा प्रणालियां उपलब्ध कराएं। जेलेंस्की ने कहा, हम अमेरिका और यूरोप, जी-7 तथा उन सभी साझेदारों की कार्रवाई पर भरोसा कर रहे हैं जिनके पास ये प्रणालियाँ हैं और जो हमारे लोगों की सुरक्षा के लिए इन्हें उपलब्ध करा सकते हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति शुक्रवार को वाशिंगटन में ट्रंप से मिलने वाले हैं। वार्ता के केंद्र में यूक्रेन को अमेरिका द्वारा लंबी दूरी तक मार करने वाले अत्याधुनिक अस्त्र उपलब्ध कराए जाने पर चर्चा होने की उम्मीद है, जिनसे रूस पर जवाबी हमला किया जा सकता है।

ट्रंप ने मॉस्को को चेतावनी दी है कि वह यूक्रेन को टॉमहॉक क्रूज़ मिसाइलें भेज सकते हैं।

लद्दाख हिंसा : वांगचुक की पत्नी की याचिका पर सुनवाई आज तक स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो की याचिका पर सुनवाई स्थगित करते हुए इसके लिए 15 अक्टूबर की तारीख तय की है। याचिका में जलवायु कार्यकर्ता की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत को चुनौती दी गई है और उनकी तत्काल रिहाई का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया की पीठ ने समय की कमी के कारण मामले में सुनवाई के लिए बुधवार का समय दिया।

शीर्ष अदालत ने छह अक्टूबर को केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को नोटिस जारी किए थे। अदालत ने हिरासत का कारण बताने के अनुरोध वाली उनकी याचिका पर कोई आदेश पारित करने से इनकार कर दिया और मामले की सुनवाई 14 अक्टूबर तक स्थगित कर दी।

वांगचुक को 26 सितंबर को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लिया गया था। इससे दो दिन पहले लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची का दर्जा देने की मांग को लेकर हिंसक प्रदर्शन हुए थे, जिसमें केंद्र शासित प्रदेश में चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 लोग घायल हो गए थे। सरकार ने उन पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया था।

रासुका केंद्र और राज्यों को किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा के लिए 22नुकसानदायक'' तरीके से कार्य करने से रोकने के लिए हिरासत में लेने का अधिकार देता है। अधिकतम हिरासत अवधि 12 महीने है, हालांकि इसे पहले भी रद्द किया जा सकता है।

वांगचुक राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद हैं। अपनी याचिका में अंगमो ने वांगचुक के खिलाफ रासुका लगाने के फैसले पर भी सवाल उठाया है। हिरासत में लिए गए कार्यकर्ता की पत्नी ने बंदी प्रत्यक्षीकरण (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका दायर कर, याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने और लद्दाख प्रशासन को सोनम वांगचुक को तुरंत इस ''अदालत में पेश करने'' का निर्देश देने का अनुरोध किया है। इसमें हिरासत में लिए गए व्यक्ति से तुरंत संपर्क करने और निवारक हिरासत आदेश को रद्द करने का भी अनुरोध किया गया है।

'दिवाली साथ-साथ, समृद्धि, कदम-कदम सफलता' का भव्य आयोजन

जीतो साउथ और नॉर्थ चैप्टर ने किया संयुक्त कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो साउथ और नॉर्थ चैप्टर ने संयुक्त रूप से दिवाली साथ साथ, समृद्धि, कदम-कदम सफलता' कार्यक्रम का आयोजन प्रिंसेस गोल्फ सभागार में रविवार को किया जिसका उद्देश्य सदस्यों और उनके परिवारों के बीच नेटवर्किंग और आपसी बंधन को बढ़ावा देना था। दोनों चैप्टर द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में 2400 सदस्यों ने भाग लिया। जीतो अपेक्स निदेशकों, केकेजी ज़ोन टीम, जीतो साउथ और नॉर्थ टीम, लेडीज व युवा विंग के सदस्यों ने दीप प्रज्वलित किया।

जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने सभी का स्वागत करते हुए गत वर्ष में साउथ चैप्टर द्वारा आर्थिक सशक्तिकरण, व्यवसाय विकास, ज्ञान, सेवा और कनेक्ट आदि गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने चैप्टर के जेबीएन, जेआईआईएफ, जेएफपी, सीएफई, जॉब्स, जेईएपी, जेआईटीईएम, जीतो स्पोर्ट्स, श्रमण आरोग्यम, सेवा, कनेक्ट, जेएटीएफ हॉस्टल और जीतो आवास निवास परियोजना सहित कुल 176 कार्यक्रमों के बारे में बताया। जीतो नार्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने भी अपने चैप्टर की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए सभी उपस्थित जनों का स्वागत किया।

उन्होंने आर्थिक सशक्तिकरण, ज्ञान, सेवा और कनेक्ट पर ध्यान केंद्रित करते हुए रियल एस्टेट एक्सपो 2.0, जीतो ज़ेवर 2.0, ब्राइडल स्टोरी और नए जीतो कार्यालय के बारे में बताया। एंकर भरत जैन और सुष्मिता सेठिया ने अनेक मनोरंजक खेलों का आयोजन किया। सदस्यों को अर्ली बर्ड गिफ्ट्स, खेल विजेताओं को गिफ्ट्स और सभी सदस्यों को रिटर्न गिफ्ट वितरित किए गए। इस अवसर पर जीतो अपेक्स के निदेशक नरेंद्र सिंह, प्रवीण शाह, केकेजी ज़ोन चेयरमैन प्रवीण बाफना, मुख्य सचिव दिलीप जैन, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश जैन, साउथ के उपाध्यक्ष महेंद्र जियानी, महेंद्र रांका, राजकुमार कोठारी, राजेंद्र दांतेवाड़िया, मुख्य सचिव नितिन लुनिया, कोषाध्यक्ष नेमीचन्द चौपड़ा, नॉर्थ के उपाध्यक्ष कमल पुनमिया, दिनेश बाफना, मुख्य सचिव विजय सिंघवी, कोषाध्यक्ष नरेंद्र आच्छा, साउथ की लेडीज चेयरपर्सन बबीता रायसोनी, नार्थ की लेडीज चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना, साउथ के युवा चेयरमैन मेहुल श्रीश्रीमाल और नॉर्थ के युवा चेयरमैन अनीश भोजानी सहित अनेक पूर्व पदाधिकारी उपस्थित थे। संयोजक महेंद्र जियानी, कमल पुनमिया, अशोक भंडारी और कोमल भंडारी ने व्यवस्था संभाली। नितिन लुनिया और विजय सिंघवी ने संयुक्त संचालन किया।

सरलता, समता, समभाव का धारक ही सच्चा भिक्षु : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में विराजित उपप्रवर्तक श्री नरेश मुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि अपनी संयम चर्या साधना का सम्यक पूर्ण पालन करता हुआ समभाव में विचरण करता है वही सच्चा भिक्षु है। सच्चा भिक्षु स्वयं अभय होकर संयमित जीवन जीता है और जगत के सभी प्राणियों को भी अभय प्रदान करता है, जो परिषहां को समभाव पूर्वक सहन करता है, जितेन्द्रिय, अल्पाहारी एवं राग द्वेष से रहित होकर अपनी संयम यात्रा का निर्वाह करता है वही सच्चा भिक्षु है। उन्होंने आगे ब्रह्मचर्य समाधि स्थान अध्ययन पर विवेचना करते हुए कहा कि भगवान महावीर ने सभी तपों में ब्रह्मचर्य तप को श्रेष्ठ बतलाया है। ब्रह्मचर्य की उत्कृष्ट साधना करने वाले साधक को देवता भी वंदन, नमस्कार करते हैं। अनेक साधक आत्मा इस ब्रह्मचर्य तप धर्म की आराधना करके सिद्ध हुए हैं, वर्तमान में सिद्ध हो रहे हैं तथा अनेक जीवात्मा साधक भविष्य में भी सिद्ध गति को प्राप्त करेंगे। उप प्रवर्तक ने श्रमण संघीय साध्वी डॉ हर्षप्रभाजी के सोमवार को उदयपुर राजस्थान में संलेखना संथारा सहित देवलोक गमन हो जाने पर अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि श्रमण संघ की ओजस्वी, तेजस्वी एवं प्रेरणादायी साध्वी रत्ना थी जिन्होंने लगभग 48वर्षों तक संयम धर्म का पालन करते हुए अपनी तपोमय आभा से सभी को प्रभावित किया। आपका संपूर्ण जीवन त्याग, तपस्या, साधना और संघ, जिनशासन सेवा के अनुपम आदर्शों से ओतप्रोत रहा। शालिभद्रमुनिजी ने सामूहिक रूप से उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन, स्वाध्याय सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सस्वर स्वाध्याय पारायण करवाया। श्रुत साधना के समोवसरण में मरुधरा जैन संघ, मरुधरा महिला मंडल एवं श्रीरामपुरम संघ सहयोगी बने, समिति की ओर से उन्हें धन्यवाद दिया गया।

बेंगलूरु के पवन मांडोत बने अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष

मांडोत ने अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अहमदाबाद में विराजित आचार्य श्री महाश्रमण जी के सान्निध्य में आयोजित अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद (अभातेयुप) के 59वें राष्ट्रीय अधिवेशन 'एकत्व' में बेंगलूरु निवासी पवन मांडोत को अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

शहर के वरिष्ठ समाजसेवी स्व. हीरालाल मांडोत के पुत्र पवन पहले तेयुप विजयनगर के अध्यक्ष, अभातेयुप में संगठन मंत्री, महामंत्री और उपाध्यक्ष जैसे दायित्वों का सफल निर्वहन कर चुके हैं। अधिवेशन में अभातेयुप के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा ने नव निर्वाचित अध्यक्ष पवन मांडोत को शपथ दिलाई। तत्पश्चात नव अध्यक्ष ने अपनी टीम की घोषणा करते हुए उपाध्यक्ष अनंत बागरेचा व अभिनंदन नाहटा, महामंत्री सौरभ पटावरी, सहमंत्री पवन नोलखा व अंकुर लूणिया, कोषाध्यक्ष विकास बोथरा एवं संगठन मंत्री रोहित कोठारी को बनाया। राष्ट्रीय अध्यक्ष बन कर बेंगलूरु आगमन पर पवन मांडोत एवं संगठन मंत्री रोहित कोठारी के निवास पर अभातेयुप के पूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया सहित तेयुप के सदस्यों ने उनका सम्मान किया।

तेयुप विजयनगर को मिला सर्वश्रेष्ठ परिषद का अवार्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अहमदाबाद में विराजित आचार्य श्री महाश्रमण जी के सान्निध्य में आयोजित अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के 59वें राष्ट्रीय अधिवेशन 'एकत्व' में देशभर की 366 शाखा परिषद के कार्यों का मूल्यांकन कर अभातेयुप द्वारा बेंगलूरु वर्ष 2024-25 में कृत कार्यों हेतु तेयुप विजयनगर को सर्वश्रेष्ठ परिषद के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही परिषद को अन्य वर्ग में भी पुरस्कार प्राप्त हुए। परिषद् के निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने मंत्री संजय भटेवरा व गत कार्यकाल के सम्पूर्ण प्रबंध मंडल व सदस्यों, सहयोगियों को सर्वश्रेष्ठ परिषद का अवार्ड समर्पित करते हुए आभार जताया।

जीतो हुब्बल्ली चैप्टर ने 'उद्भव 2.0' का आयोजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। जीतो हुब्बल्ली चैप्टर ने दो दिवसीय उद्भव 2.0' का आयोजन किया जिसमें मोटिवेशनल, बिज़नेस और एजुकेशनल सेशन्स के साथ-साथ एक भक्ति संध्या, बॉलीवुड म्यूज़िकल नाइट, जॉब फेयर और 140 से अधिक स्टॉल्स वाले मेगा ट्रेड फेयर का आयोजन किया गया। मुख्य सचिव प्रवीण चौधरी ने बताया कि शनिवार व रविवार को इस कार्यक्रम में उद्योगपति संजय घोड़ावत, आईपीओ विशेषज्ञ अमन सिंह भदौरिया, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सुष्मिता सेठिया, एसपी जैन मैनेजमेन्ट संस्थान के प्रो समीश दलाल, विधायक अरविंद बेल्लड़ और ओनेस्टी यूनिफार्म के महावीर गोगलिया आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम में स्टार एयरलाइंस के मालिक संजय घोड़ावत से जीतो के सदस्यों ने हुब्बल्ली से अहमदाबाद और जोधपुर के लिए हवाई सेवा शुरू करने का अनुरोध करते हुए निवेदन पत्र दिया। सेवा, ज्ञान और आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में जीतो के चेयरमैन अनिल कुमार जैन, पूर्व चेयरमैन भंवरलाल जैन, गौतम ओसवाल, संयोजक भरत पटवारी,राजन जैन, धर्मेंद्र तातेड़ आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

परमात्मा की भक्ति श्रद्धा और समर्पण भाव से करनी चाहिए : डॉ. वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुजराती जैन संघ, गांधीनगर में चातुर्मास हेतु विराजित डॉ. वरुण मुनिजी ने मंगलवार को सभा को संबोधित करते हुए कहा कि परमात्मा की सच्ची भक्ति वही है, जो पूर्ण श्रद्धा, विश्वास और आत्मसमर्पण के भाव से की जाए। उन्होंने कहा कि भक्ति केवल पूजा-पाठ या अनुष्ठान का विषय नहीं, बल्कि आत्मा की गहराइयों में उत्पन्न होने वाली वह भावना है, जो मनुष्य को परमात्मा के समीप ले जाती है। मुनिश्री ने कहा कि जब मनुष्य अपने अहंकार, क्रोध और मोह को त्यागकर प्रभु के चरणों में शरणागत होता है, तभी उसका जीवन सफल और सार्थक बनता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को संदेश दिया कि प्रतिदिन कुछ समय प्रभु-स्मरण, ध्यान और सत्कर्मों में व्यतीत करें, जिससे जीवन में शांति, संतोष और आनंद की प्राप्ति हो सके। कार्यक्रम के दौरान मधुर वक्ता रूपेश मुनि जी ने भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी। उप प्रवर्तक श्री पंकज मुनिजी ने मंगल पाठ प्रदान किया। संचालन राजेश मेहता ने किया। सभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

राजराजेश्वरीनगर तेरापंथ महिला मंडल की 'उजाला' नामक कार्यशाला सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ भवन आरआर नगर में सोमवार को साध्वी पुण्ययशाजी के सान्निध्य में तेरापंथ महिला मंडल की वृहद् बेंगलूरु स्तरीय उजाला कार्यशाला' का आयोजन किया गया जिसका विषय था परंपरा और प्रगति में संतुलन। अध्यक्ष मंजु बोथरा ने सभी का स्वागत किया। सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने महिला मंडल का स्वागत किया। साध्वी बोधिप्रभाजी ने कहा कि परंपरा कभी बंधक नहीं होती। रूढ़िवाद को छोड़कर आत्मविश्वास के साथ जब महिलाएं कार्य करती हैं तो वह हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकती हैं। साध्वी वर्धमानयशाजी ने गीत का संगान किया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित चेन्नई के राकेश खटेड़ ने कहा कि परंपरा कभी रूढ़िवाद नहीं होनी चाहिए। जो परंपराएं गलत हैं उन्हें बढ़ावा नहीं देना चाहिए और जो सही है उन्हें समझ कर आगे बढ़ना चाहिए। पुस्तकीय ज्ञान ही शिक्षा नहीं, संस्कार सच्ची शिक्षा है। उन्होंने कहा कि अच्छी परंपराओं को रूढ़ि समझ कर उन्हें छोड़ना नहीं है।

साध्वी पुण्ययशाजी ने बाहर के उजाले के साथ अंदर के उजाले के बारे में बताते हुए कहा कि उजाला उन्नति, विकास व संस्कृति का प्रतीक है। प्रतिक्षण मुस्कुराते हुए बाह्य और अभ्यंतर सुंदरता को बनाए रखें। प्रेम, वात्सल्य, विनय के साथ हमारी ऊर्जा शक्ति और क्षमता को परिवारिक स्तर पर अपनाएं। संस्कृति का आधार मां-बाप हैं। संस्कृति परिवार से बनती है। संस्कारों को पहले हम स्वयं जिएं फिर बच्चों पर लागू करें। अभातेममं की सहमंत्री व कार्यशाला की संयोजिका मधु कटारिया ने केन्द्र की आगामी गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यशाला के प्रायोजक हनुमानमल संजय बैद परिवार की प्रेम बैद व मुख्य वक्ता राकेश खटेड़ का सम्मान किया गया। गांधीनगर, विजयनगर, राजाजीनगर, हनुमंतनगर, यशवन्तपुर, टी. दासरहल्ली क्षेत्रों से मंडल के अनेक पदाधिकारी व सदस्याएं उपस्थित थीं। स्थानीय मंत्री वंदना भंसाली ने संचालन किया एवं सहमंत्री आशा लोढ़ा ने धन्यवाद दिया।

मनुष्य का कर्म उसका पीछा कभी नहीं छोड़ता : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि उत्तराध्ययन सूत्र प्रभु महावीर की अंतिम वाणी है। अगर मनुष्य उसका कुछ हिस्सा भी जीवन में उतार ले तो उसका जीवन सुधर जाएगा। महावीर भगवान की वाणी संसार पार कराने वाली है। प्रभु की वाणी के श्रवण का मौका मिला है तो जीवन का कल्याण कर लेना चाहिए। संसार में रह कर मनुष्य ने सबको परख लिया है। प्रभु के अलावा कोई और तारने वाला नहीं है। प्रभु वाणी का ही मनुष्य को सहारा है। तेरहवां अध्ययन चित्त संभूति है। जीवन के कांटा निकालने का माध्यम चित्त संभूति होती है। कांटा साधक को धर्म कार्य से रोकता है। माया, मिथ्यात्व और मिदान धर्म कार्य में रुकावट बनते हैं। मानव थोड़ा सा कर्म करके फल की उम्मीद करने लगता है। लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए। कर्म करते रहना चाहिए। समय आने पर उसका फल अपने आप ही मिल जाएगा। जब तक मोह, मिथ्यात्व और मिदान से दूर नहीं होंगे धर्म कार्य में लगना मुश्किल है। यह रोड ब्रेकर की तरह अवरोधक पैदा कर रहे हैं। संसार रास्ता है यहां जन्म लेने वाला मारता है। जन्म और मरण के बीच जो जीवन को धर्म कार्य में लगाते हैं, उनका जीवन सफल हो जाता है। वर्तमान में मनुष्य सजने संवरने में लगा है। लेकिन यह अंत समय में साथ देने वाला नहीं है। संसार की सभी विषय वासनाएं दुखकारी होती हैं। मनुष्य का कर्म उसका पीछा करता रहता है। कर्म किसी को नहीं छोड़ता है। केवल सफेद वस्त्र पहनने से कोई साधु नहीं बन सकता है। साधु का मन पर नियंत्रण होना चाहिए। साधु बनना बहुत आसान है लेकिन भगवान प्रभु के मार्ग पर चलना मुश्किल होता है। जो उनके मार्ग पर चलते हैं वही स्व भिक्षु होते हैं।

सभा में जीतो द्वारा संचालित साधु साध्वियों के स्वास्थ्य की जांच हेतु महावीर हॉस्पिटल के सदस्यों के साथ श्रमण आरोग्यम योजना के संयोजक दिनेश खिंवेसरा, कमेटी के सदस्य दिनेश लोढ़ा, रूपचंद कुमट, सुनील लोढ़ा, दिनेश पोरवाड़, चेतन झारमुथा, राकेश दांतेवाड़िया, सुरेन्द्र गुंदेचा और शंकर दक उपस्थित रहे। सभा में कोषाध्यक्ष मनोहर लाल मुथा ने आभार व्यक्त किया । अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया। सभा का संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

आत्मजागरण ही जीवन का सच्चा उद्देश्य है : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मनुष्य का जीवन केवल भौतिक सुखों की खोज में व्यतीत करने के लिए नहीं है, बल्कि यह आत्मा के जागरण का अमूल्य अवसर है। जब आत्मा जाग्रत होती है, तब समस्त मोह, द्वेष, और आसक्ति का अन्त हो जाता है। जो स्वयं को जान लेता है, वह संसार को जान लेता है। यही जैन दर्शन का सार है। ये विचार साध्वी आगमश्री ने विल्सन गार्डन जैन स्थानक में अपने प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति आत्मा को पहचानता है, तब उसे बाहरी दुनिया में सुख ढूँढने की आवश्यकता नहीं रहती। आत्म-चिंतन, संयम, और अहिंसा के मार्ग पर चलने वाला साधक धीरे-धीरे कर्मबंधन से मुक्त होता जाता है। साध्वी धैर्याश्री ने कहा कि धर्म का आरंभ बाह्य रूप से नहीं, भीतर से होता है। आत्मा में जब नम्रता, क्षमा और मैत्री का उदय होता है, तब वही आत्मा प्रभु के समीप पहुँचती है। प्रभु

का संदेश केवल सुनने के लिए नहीं, उसे अपने जीवन में उतारने के लिए है। जब हम हर क्षण जाग्रत रहते हैं, तब ही आत्मा की यात्रा मोक्ष की ओर अग्रसर होती है। चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने स्वागत किया। अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने आभार व्यक्त किया। मंत्री सज्जनराज बोहरा ने संचालन किया।

सहयोगी सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट द्वारा पिछले 25 वर्षों से दानदाताओं के सहयोग से वर्तमान में 1 मोक्ष रथ व 4 मोक्ष वाहिनी निःशुल्क अंतिम यात्रा' हेतु वाहन सेवा दी जा रही है। इस सेवा में दानदाताओं का निस्वार्थ सहयोग प्राप्त हो रहा है उसी क्रम में शांतिश्री मार्केटिंग के संघवी श्रीपाल वीरमचंद खांटेड परिवार ने एक वर्ष के लिए मोक्ष वाहिनी रखरखाव का लाभ लिया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा, मंत्री कमल पुनमिया, अनिल संकलेचा, जिनेश मेहता, सुरेश धोका, भोपाल सोनवाड़िया, आनंदराव ने लाभार्थी परिवार को सम्मानित किया।

पार्श्व सुशीलधाम में समर उपधान तप 8 अप्रैल से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के होसूर रोड स्थित पार्श्व सुशीलधाम में अगले वर्ष 8 अप्रैल से उपधान तप के आयोजन की माधवनगर जैन संघ के प्रांगण में आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में घोषणा हुई। 47 दिवसीय उपधान तप के समापन के अवसर पर उपधान आराधकों के सम्मान स्वरूप मोक्षमाला समारोह 28 मई को होगा। उपधान तप आयोजक एवं व्यवस्थापक समर उपधान समिति के सदस्यों के निवेदन पर आचार्यश्री ने उपधान तप का मुहूर्त एवं निश्रा प्रदान करने की घोषणा की। सुरेश जैन ने बताया कि स्कूली बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन अवकाशों में यह उपधान तप आयोजित किया गया है ।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com